RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः 104 , गुरुवार, 28 मई 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

हरसिद्धि में कमजोर पुलिसिंग पर उठे सवाल, लगातार हत्याओं से दहशत; एसपी स्वर्ण ... 03

नगर निगम में नव निर्वाचित सशक्त स्थायी समिति सदस्यों का सम्मान समारोह संपन्न 04

फिल्म कॉकटेल 2 से दूसरा गाना माशूका जारी शाहिद कपूर-कृति... 07

अगर वर्तमान जनसंख्या वृद्धि दर बरकरार रही तो क्या असम में हिंदू हो जाएंगे अल्पसंख्यक? आंकड़े दे रहे गवाही

नईदिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को जनसंख्या अनुपात में बदलाव (डेमोग्राफी चेंज) की समीक्षा करने के लिए विशेष समिति की घोषणा की। बुधवार को इस समिति की अधिसूचना भी जारी कर दी गयी। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश प्रकाश प्रभाकर नावलेकर को चार सदस्यीय समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। यह समिति एक साल में अपनी रिपोर्ट पेश करेगी। समिति अपनी रिपोर्ट में जनसंख्या में अप्राकृतिक बदलाव के कारणों की पड़ताल करेगी और इसके लिए जिम्मेदार कारकों के समाधान भी सुझाएगी। हालिया पश्चिम बंगाल और असम विधान सभा चुनाव के दौरान भी डेमोग्राफी चेंज का मुद्दा प्रमुखता से उठा। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सर्मा ने दावा किया कि 10 साल में राज्य में हिंदू अल्पसंख्यक बन जाएंगे और मुस्लिम राज्य का सीएम तय करेंगे।

भारत विभाजन के बाद असम की डेमोग्राफी

वर्ष 1947 में भारत विभाजन के बाद पहली बार 1951 में जनगणना हुई। पहली जनगणना में असम में मुस्लिम आबादी करीब 24.7 प्रतिशत थी। वहीं हिंदू आबादी 70.78 प्रतिशत थी। **सात दशकों में मुस्लिम जनसंख्या हिस्सेदारी में निरंतर वृद्धि-** 1951 की जनगणना में असम की कुल जनसंख्या में मुसलमानों की हिस्सेदारी 24.7 प्रतिशत थी। 2011 तक यह बढ़कर 34.22 प्रतिशत हो गई — यानी 60 वर्षों में लगभग 10 प्रतिशत अंकों की वृद्धि। यह वृद्धि हर दशक में लगातार जारी रही है।

1971 की जनगणना में असम की डेमोग्राफी

- वर्ष 1971 की जनगणना में असम के डेमोग्राफी अनुपात में ज्यादा बदलाव नहीं हुआ। जनगणना के अनुसार राज्य में मुस्लिम आबादी करीब 24.56 प्रतिशत और हिन्दू आबादी 72.51 प्रतिशत थी।
- 1981 की जनगणना में असम को शामिल नहीं किया गया था क्योंकि राज्य में हालात अशांत थे। इसके बाद 1991 की जनगणना में असम में मुस्लिम आबादी करीब 28.43 प्रतिशत थी। यदि 1961 की जनगणना से तुलना करें तो राज्य में मुस्लिम जनसंख्या में करीब 7.88 प्रतिशत प्रति दशक की बढ़ोतरी हुई।
- 2001 की जनगणना के अनुसार असम में मुस्लिम आबादी 30.92 प्रतिशत थी। यदि 1981 से तुलना करें तो मुस्लिम आबादी की दशकीय वृद्धि दर 8.76 प्रतिशत रही।

होर्मुज खुलेगा-नाकेबंदी हटेगी

ईरान का दावा- यूएस से जंग खत्म करने के लिए शांति समझौते के मसौदे पर बनी सहमति

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)। ईरान ने दावा किया है कि अमेरिका के साथ संभावित समझौते का शुरुआती ड्राफ्ट तैयार हो गया है। रॉयटर्स के मुताबिक ईरान के सरकारी टीवी ने एक शुरुआती और अनौपचारिक दस्तावेज मिलने का दावा किया है,

जिसमें अमेरिका-ईरान समझौते का ढांचा तैयार किया गया है। ड्राफ्ट के अनुसार अमेरिका ईरान के आसपास से अपनी सैन्य मौजूदगी हटाएगा और नौसैनिक घेराबंदी खत्म करेगा। इसके बदले ईरान 30 दिनों के भीतर होर्मुज स्ट्रेट में व्यावसायिक जहाजों की आवाजाही को युद्ध से पहले के स्तर पर बहाल करेगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह व्यवस्था अमेरिकी सैन्य जहाजों पर लागू नहीं होगी। होर्मुज में जहाजों की आवाजाही का प्रबंधन ईरान और ओमान मिलकर करेंगे।

संक्षिप्त समाचार

- अंतरराष्ट्रीय सीमाओं के लिए गृह मंत्री शाह का फरमान

15 किलोमीटर के दायरे में सारे अवैध ढांचे गिरा दें

नई दिल्ली (एजेंसी)। मोदी सरकार ने अंतरराष्ट्रीय सीमा के अंदर 15 किलोमीटर के दायरे में जीरो टॉलरेंस की नीति पर सख्ती से अमल शुरू करना शुरू कर दिया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि इस नीति का कड़ाई से पालन करें और देश भर में जितनी भी अंतरराष्ट्रीय सीमाएं हैं, वहां से 15 किलोमीटर भीतर जितने भी अवैध निर्माण हुए हैं, उन्हें गिरा दिया जाए। केंद्र सरकार का फोकस अंतरराष्ट्रीय सीमाओं के आसपास पिछले कुछ वर्षों में बने अवैध निर्माण पर है। भारत की अंतरराष्ट्रीय सीमाएं 9 देशों से जुड़ती हैं, जिसमें करीब 15,107 किलोमीटर का जमीनी बॉर्डर है और लगभग 7,517 में फैली विशाल तटरेखा है।

सीमावर्ती जिलों के डीएम को मिली खास जिम्मेदारी

मीडिया के अनुसार अधिकारियों ने बताया है कि गृह मंत्रालय ने जिलाधिकारियों(डीएम) को सीमावर्ती क्षेत्रों के लिए कई अतिरिक्त जिम्मेदारियां सौंपी हैं। जिलाधिकारियों से कहा गया है कि सीमा क्षेत्र के बैंकों से होने वाले सभी तरह के लेन-देन की कानूनी और वित्तीय नियमों की तामील सुनिश्चित करवाएं। बड़े व्यापारिक प्रतिष्ठानों और उनकी फंडिंग के स्रोतों की छानबीन करें। अवैध लेन-देन के लिए इस्तेमाल होने वाले खातो और फर्जी कंपनियों की जांच करें। फर्जी आधार कार्ड की पहचान करें और सीमा-पार से होने वाली तस्करी पर लगाम लगाएं।

कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलें तेज

- मुख्यमंत्री सिद्धारमैया दे सकते हैं इस्तीफा, आज राजभवन पहुंचेंगे

नई दिल्ली/बेंगलुरु(एजेंसी)। दिल्ली में मंगलवार को कांग्रेस नेताओं ने कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया और डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार के साथ बैठक की। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया आज गुरुवार को इस्तीफा दे सकते हैं। पार्टी उनकी जगह उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार को सीएम बना सकती है। दोनों नेताओं की मंगलवार को दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और सांसद राहुल गांधी के साथ 6 घंटे तक बैठक हुई।

मीडिया सूत्रों के मुताबिक, बैठक में राहुल गांधी ने सिद्धारमैया से सीएम पद से इस्तीफा देने का कहा और उन्हें राज्यसभा भेजने का ऑफर दिया। साथ ही उन्हें दिल्ली में बड़ी राष्ट्रीय भूमिका निभाने को कहा है।

एसआईआर पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला

वैध है, संवैधानिक है

- चुनाव आयोग शर्तों के साथ नागरिकता जांच सकता है, एसआईआर में 13 राज्यों में 7.41 करोड़ नाम कटे

नईदिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (एसआईआर) को वैध और संवैधानिक करार दिया है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की बेंच ने बुधवार को कहा कि एसआईआर मनमाना नहीं है और चुनाव आयोग को यह प्रक्रिया चलाने का अधिकार है। कोर्ट ने कहा, चुनाव आयोग वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने या हटाने के लिए नागरिकता की जांच कर सकता है, लेकिन यह फैसला सिर्फ चुनावी उद्देश्यों तक सीमित रहेगा। किसी व्यक्ति को अंतिम रूप से गैर-नागरिक घोषित करने का अधिकार आयोग के पास नहीं होगा।

सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को निर्देश दिया कि

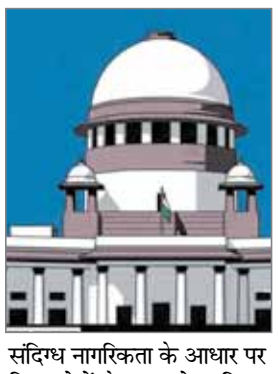

संदिग्ध नागरिकता के आधार पर जिन लोगों के नाम वोटर लिस्ट से हटाए गए हैं, उनके नाम 4 हफ्ते में केंद्र सरकार को भेजा जाए।

जून 2025 में बिहार से शुरू हुई एसआईआर प्रक्रिया अब तक 10 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों में पूरी हो चुकी है।

- अब तक 10 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों में एसआईआर- देश के 10 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों में एसआईआर हो चुका है। इनमें अब तक कुल 7.41 वोटर्स के नाम कट चुके हैं। दिल्ली में 30 जून से एसआईआर प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। एसआईआर के पहले फेज में बिहार शामिल था। दूसरे फेज में 9 राज्य और 3 केंद्रशासित प्रदेश शामिल था। इसमें मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, गुजरात, यूपी, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, गोवा, पुडुचेरी, लक्षद्वीप और अंडमान-निकोबार थे। एसआईआर के तीसरे फेज 16 राज्य और 3 केंद्रशासित प्रदेश कवर होंगे। पूरी प्रक्रिया 30 मई से 23 दिसंबर तक चलेगी।

असम विधानसभा में यूनिफॉर्म सिविल कोड बिल पास

गुवाहाटी(एजेंसी)। असम विधानसभा चुनाव ने यूनिफॉर्म सिविल कोड (समान नागरिक संहिता) बिल को पास कर दिया है। इसी के साथ देश में उत्तराखंड और गुजरात के बाद असम तीसरा राज्य बन गया है। जहां की विधानसभा ने यूनिफॉर्म सिविल कोड बिल को पास किया है। बीजेपी ने असम विधानसभा चुनाव 2026 में यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू करने का वादा किया था। बीजेपी की प्रचंड जीत के बाद सीएम बने हिमंत बिस्वा सरमा ने पहली कैबिनेट में यूसीसी बिल के ड्राफ्ट को मंजूरी दी थी। असम में बहुविवाह के साथ लिव इन रिलेशनशिप के रजिस्ट्रेशन का प्रवाधान किया गया है। असम यूसीसी बिल की बड़ी बातें।

केरल में ईडी की कार्रवाई पर बवाल

- पूर्व सीएम विजयन के समर्थकों ने अफसरों को घेरा, गाड़ियों में तोड़फोड़ से तनाव

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरलम के पूर्व मुख्यमंत्री पिनाई विजयन के समर्थकों ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम पर हमला किया। ईडी की 12 सदस्यीय टीम बुधवार सुबह 7 बजे तिरुवनंतपुरम

के बेकरी जंक्शन स्थित विजयन के घर समेत 10 ठिकानों पर मनी लॉन्ड्रिंग मामले में रेड करने पहुंची थी।

यह विजयन का किराए वाला घर है। रेड के दौरान विजयन और उनका परिवार घर में मौजूद था। जैसे ही यह खबर फैली तो विजयन के समर्थक उनके घर के बाहर जुटने लगे। दोपहर करीब 2 बजे टीम बाहर निकली तो सीपीआई कार्यकर्ताओं को विजयन के समर्थकों ने उन्हें घेर लिया।

विजयन बोले- ईडी की रेड से राहुल को संतुष्टि हुई होगी- ईडी की रेड पर पिनाराई विजयन का बयान सामने आया। उन्होंने कहा- काफी समय से ईडी मेरे घर की तलाशी लेना चाहती थी। मुझे लगता है कि इस तलाशी से कुछ लोगों को खासकर राहुल गांधी जैसे किसी व्यक्ति को बहुत संतुष्टि मिलेगी। राहुल गांधी ने यही सवाल पूछा था कि मेरे घर छापा क्यों नहीं मारा जा रहा है, गिरफ्तार क्यों नहीं किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार देश में विपक्षी नेताओं पर हमेशा से जान-बूझकर हमले करती रही है।

बेटी की कंपनी से जुड़ी रेड, 7 साल पुराना है मामला- ईडी ने यह रेड विजयन की बेटी टी वीणा की कंपनी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में की है। वीणा की 'एक्सालॉजिक सॉल्यूशंस' को कोचिन मिनरल्स एंड रुटाइल लिमिटेड ने साल 2018-19 में 1.72 करोड़ मंथली पेमेंट के तौर पर दिए।

एक्ट्रेस दिव्शा केस

पति समर्थ सिंह को सीबीआई ने लिया रिमांड पर

- विरोधाभासी बयानों पर कराएगी आमना-सामना

जबलपुर/भोपाल (एजेंसी)। एक्ट्रेस दिव्शा शर्मा की मौत के मामले में एसआईटी ने आरोपी पति समर्थ सिंह को बुधवार को भोपाल कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने उसे 29 मई तक सीबीआई रिमांड पर भेज दिया। सीबीआई की टीम समर्थ को लेकर उसके घर पहुंची है। घटनास्थल का निरीक्षण किया जा रहा है।

वहीं, रिटायर्ड जज और सास गिरिबाला सिंह की अग्रिम जमानत रद्द करने की मांग वाली याचिका पर एमपी हाईकोर्ट के जस्टिस देवनारायण मिश्र

की अदालत में सुनवाई हो रही है। एमपी सरकार और दिव्शा के पिता नवनिधि शर्मा ने अग्रिम जमानत पर आपत्ति दर्ज कराई थी। दिव्शा के पिता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ लूथरा ने पैरवी की।

एजी बोले- जमानत की शर्तों का बर्बरता से उल्लंघन किया- सरकार की ओर से महाधिवक्ता (एजी) प्रशांत सिंह ने कोर्ट से कहा- अदालत देख सकती है कि जमानत की शर्तों का कितनी बर्बरता से उल्लंघन किया गया। नोटिस जारी होने की तारीखें रिकॉर्ड में हैं। अदालत स्वयं उन्हें देख सकती है। तारीखों की सूची का हवाला दे रहा हूं। हम आरोपियों की तरह ट्रायल कोर्ट में अजीब सामग्री पेश नहीं कर रहे हैं। एजी ने यह भी कहा कि मैं केवल केस डायरी में मौजूद दस्तावेज को ही पढ़ रहा हूं, ताकि अदालत को सुविधा हो। इस पर आरोपी पक्ष के वकील

ने आपत्ति जताते हुए कहा- हमने यह सामग्री नहीं देखी है। आपको हमें यह दिखाना होगा। जवाब में एजी ने कहा, आप जांच में सहयोग करेंगे, तब हर सामग्री मिल जाएगी। यह सब केस डायरी का ही हिस्सा है।

जांच अब सीडीआर, मोबाइल लोकेशन जैसे डिजिटल सबूतों पर केंद्रित- मामले की जांच अब डिजिटल सबूतों पर केंद्रित है। मंगलवार को पुलिस ने भोपाल कोर्ट को बताया कि घटना से जुड़े मोबाइल नंबरों की सीडीआर और टावर लोकेशन सुरक्षित रखने के लिए टेलीकॉम कंपनियों को पत्र भेजे गए हैंयह जवाब दिव्शा के परिजन के आवेदन पर पेश किया गया। आवेदन में दावा किया गया है कि मौत के बाद गिरिबाला सिंह ने 46 नंबरों पर कॉल किए थे। इनमें कुछ नंबर न्यायिक अधिकारियों और जांच एजेंसियों से जुड़े लोगों के भी थे।

समर्थ बोला- दिव्शा से रिश्ता तनावपूर्ण- पूछताछ में समर्थ ने कहा कि उसका और दिव्शा का रिश्ता तनावपूर्ण था, लेकिन उसने किसी भी तरह की शारीरिक हिंसा से इनकार किया।

नीट मामले में सीबीआई ने दो और अरेस्ट किए

- इनमें एक डॉक्टर, बेटे समेत 3 छात्रों को पेपर दिलवाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीट पेपर लीक मामले में सीबीआई ने बुधवार को दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया। पहले आरोपी की पहचान डॉक्टर मनोज शिरूरे के रूप में हुई है। वह लातूर के रहने वाले हैं। डॉ. मनोज ने एक कोचिंग सेंटर के मालिक (जो खुद भी आरोपी है) के बेटे समेत तीन छात्रों को आरोपी पीवी कुलकर्णी से केमिस्ट्री के क्वेश्चन पेपर दिलाए थे।

वहीं पकड़ा गया दूसरा आरोपी तेजस हर्षदकुमार शाह है। वह पुणे स्थित एक कोचिंग सेंटर डॉ. अभंग प्रभु मेडिकल एकेडमी (एपीएमए) में फिजिक्स पढ़ाता है। उसे नीट परीक्षा के लीक हुए फिजिक्स के क्वेश्चन गिरफ्तार आरोपी मनीषा हवलदार से मिले थे। इस मामले में पूरी कड़ी और साजिश का पता लगाने के लिए जांच जारी है। सीबीआई ने अब तक अलग-अलग जगहों पर 49 स्थानों पर तलाशी ली और कई अहम दस्तावेज, लैपटॉप और मोबाइल फोन जब्त किए। इस मामले में अब तक कुल 13 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

ममता बनर्जी के खिलाफ सिलीगुड़ी में एफआईआर दर्ज

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ सिलीगुड़ी साइबर थाने में एफआईआर दर्ज की गई है।

ममता पर आरोप है कि उन्होंने 2025 में कोलकाता में आयोजित ईद कार्यक्रम के दौरान सनातन और हिंदू धर्म को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। विवाद उस बयान को लेकर है, जिसमें 'गंदा धर्म' जैसे शब्द इस्तेमाल करने का आरोप लगाया गया है। हालांकि, इस मामले पर ममता की ओर से अब तक कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

- मोदी कैबिनेट का फैसला

सरकार ने पीडीएस को आधुनिक बनाने के लिए मंजूर किए 25530 करोड़ रुपये

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने देश की राशन वितरण प्रणाली यानी पब्लिक डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम (पीडीएस) में एक बड़े और ऐतिहासिक सुधार का एलान किया है। केंद्रीय कैबिनेट ने पीडीएस को पूरी तरह से आधुनिक बनाने और राशन दुकानों को मजबूत ढांचागत समर्थन देने के लिए 25,530 करोड़ रुपये की लागत वाली 'सार्थक पीडीएस योजना' को अपनी आधिकारिक मंजूरी दे दी है।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने राशन दुकानों को समर्थन देने और सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) को आधुनिक बनाने के लिए 25,530 करोड़ रुपये की सार्थक पीडीएस योजना योजना को मंजूरी दे दी है। यह योजना मार्च 2031 तक पांच वर्षों के लिए लागू रहेगी। सूचना व प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को यह जानकारी दी। सरकार के इस बड़े कदम का सीधा और सकारात्मक असर देश के उन 80 करोड़ नागरिकों पर पड़ेगा जो अपनी बुनियादी जरूरतों के लिए सरकार के खाद्य सुरक्षा कार्यक्रम पर निर्भर हैं।

केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, आज मंत्रिमंडल ने एक ऐसा निर्णय लिया है जो देश के 80 करोड़ नागरिकों को प्रभावित करेगा।

संक्षिप्त समाचार

अरेराज में अनुश्रवण समिति की बैठक, 31 मई तक शत-प्रतिशत राशन वितरण का लक्ष्य

बीएनएम @ अरेराज। अनुमंडल प्रशासन जन वितरण प्रणाली को अधिक पारदर्शी, प्रभावी और जनोन्मुख बनाने की दिशा में लगातार प्रयासरत है। इसी क्रम में अनुमंडलीय सभागार में खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग की अनुमंडल स्तरीय अनुश्रवण समिति की मासिक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अनुमंडल पदाधिकारी ने की, जिसमें सहायक जिला आपूर्ति पदाधिकारी, सभी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी, टीपीडीएस गोदामों के सहायक प्रबंधक एवं समिति के सदस्य मौजूद रहे। बैठक में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत खाद्यान्न उठाव एवं वितरण की समीक्षा की गई। अधिकारियों ने जानकारी दी कि सरकार के निर्धारित प्रावधान के अनुसार पीएचएच राशन कार्डधारियों को प्रति सदस्य 2 किलो गेहूं एवं 3 किलो चावल तथा अंत्योदय कार्डधारियों को प्रति परिवार 14 किलो गेहूं एवं 21 किलो चावल उपलब्ध कराया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि मई माह के खाद्यान्न वितरण के तहत अब तक अरेराज अनुमंडल में कुल कार्डधारियों के सापेक्ष 88.50 प्रतिशत वितरण पूरा हो चुका है। चूंकि वितरण की अंतिम तिथि 31 मई 2026 निर्धारित है, इसलिए सभी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारियों को शेष लाभुकों तक समय पर खाद्यान्न पहुंचाने का निर्देश दिया गया। समिति सदस्यों से भी लोगों को जागरूक करने की अपील की गई, ताकि कोई भी पात्र परिवार राशन से वंचित न रहे। बैठक में बताया गया कि राशन कार्ड निर्गमन एवं संशोधन प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी बनाने के लिए राज्य स्तर पर 'स्मार्ट पीडीएस पोर्टल' लागू किया जा रहा है। नया पोर्टल शुरू होने तक ऑनलाइन एवं ऑफलाइन नए आवेदन अस्थायी रूप से स्थगित रहेंगे। इस दौरान आम लोग राशन कार्ड से संबंधित समस्याओं के लिए संबंधित प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी से संपर्क कर सकेंगे। अनुमंडल प्रशासन ने सख्त निर्देश देते हुए कहा कि केवल वास्तविक एवं पात्र परिवारों के राशन कार्ड की अनुशंसा की जाए तथा अपात्र लाभार्थियों को चिन्हित कर उनके कार्ड निरस्तीकरण का प्रस्ताव भेजा जाए। बैठक में लाभुकों के लिए ई-केवाईसी को अनिवार्य बताते हुए कहा गया कि राशन कार्ड में दर्ज सभी सदस्यों का ई-केवाईसी जल्द पूरा कराना जरूरी है। विभाग द्वारा तय समय सीमा के भीतर ई-केवाईसी नहीं कराने पर संबंधित उपभोक्ताओं का नाम राशन सूची से हटाया जा सकता है। लाभुक अपने नजदीकी जन वितरण प्रणाली विक्रेता के पास जाकर ई-पॉस मशीन के माध्यम से यह प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं। इसके अलावा बैठक में एलपीजी गैस वितरण व्यवस्था की भी समीक्षा की गई तथा विवाह, उपनयन और अन्य मांगलिक कार्यक्रमों में उपयोग होने वाले कमर्शियल गैस सिलेंडरों से जुड़े नियमों और सुरक्षा मानकों की जानकारी दी गई।

10 लाख की लूट, थाना से 300 मीटर दूर बाइक सवारों ने ज्वेलर्स के बैग छीनकर भागे

बीएनएम @ हाजीपुर। वैशाली जिले में देर रात एक बड़ी लूट की घटना को अंजाम दिया गया। यह वारदात गोरौल थाना से महज 300 मीटर की दूरी पर हुई, जिससे पुलिस गश्त पर सवाल खड़े हो गए हैं। घटना गोरौल थाना क्षेत्र के गोरौल चौक पर स्थित राहुल व हर्ष ज्वेलर्स दुकान के पास हुई। दुकान मालिक राहुल कुमार रात में दुकान का शटर बंद कर घर जाने की तैयारी कर रहे थे। इसी दौरान बाइक सवार तीन बदमाशों ने उनके हाथ से आभूषण से भरा बैग झपट्टा मारकर छीन लिया और मौके से फरार हो गए। दुकानदार ने शोर मचाया और अपराधियों का पीछा भी किया, लेकिन वे भागने में सफल रहे। पीड़ित दुकानदार राहुल कुमार ने बताया कि छीने गए बैग में दुकान की चाबी के साथ लगभग 10 लाख रुपये के सोने-चांदी के आभूषण और 24 हजार रुपये नकद थे। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और इलाके की घेराबंदी की, लेकिन अपराधियों का कोई सुराग नहीं मिल पाया। दुकान में सीसीटीवी कैमरा लगा है, लेकिन चूंकि दुकान की चाबी भी लूटे गए बैग में थी, इसलिए दुकान अभी तक नहीं खुल पाई है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है ताकि अपराधियों की पहचान की जा सके। इस घटना के बाद से पुलिस की गश्ती व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं और स्थानीय व्यापारियों में दहशत का माहौल है। मामले के खुलासे और अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए जिले की डीआईयू (जिला खुफिया इकाई) टीम भी मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई है।

भूमि विवाद पंचायत हिंसक झड़प में बदली, जनप्रतिनिधियों के सामने 12 लोग घायल, दोनों पक्ष ने दिया आवेदन

बीएनएम @ हाजीपुर। वैशाली के बेलसर थाना क्षेत्र के नगवां गांव में भूमि विवाद को लेकर बुलाई गई पंचायत हिंसक झड़प में बदल गई। इस घटना में महिलाओं सहित एक दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। सभी घायलों को इलाज के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बेलसर ले जाया गया, जहां से गंभीर रूप से घायलों को सदर अस्पताल हाजीपुर रेफर किया गया है। नगवां पंचायत में लंबे समय से चले आ रहे जमीन विवाद के समाधान के लिए यह पंचायत आयोजित की गई थी। पंचायत की अगुवाई सरपंच प्रतिनिधि क्रांति पटेल और मुखिया प्रतिनिधि विंदा सिंह कर रहे थे। दोनों पक्षों के लोग बातचीत के जरिए विवाद सुलझाने के लिए एकत्र हुए थे। पंचायत के दौरान दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। प्रतिनिधियों ने बताया कि कुछेक मुद्दों को बेवजह तूल दिया गया। इसी बीच, एक पक्ष के जैनुल टेलर और दूसरे पक्ष के रफाकत हुसैन के बीच किसी बात पर तीखी बहस छिड़ गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, कुछ ही देर में माहौल तनावपूर्ण हो गया और दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। आरोप है कि रफाकत हुसैन पक्ष के लोगों ने पंचायत के बीच ही जैनुल टेलर पर हमला कर दिया। इसके बाद दोनों ओर से लाठी-डंडे, तलवार और फरसा चलने लगे। अचानक हुई हिंसा से मौके पर भगदड़ मच गई और पंचायत में मौजूद जनप्रतिनिधियों को वहां से हटना पड़ा। इस मारपीट में एक पक्ष के हसन रजा, नूरुल होदा, अली राजा, जाकिर हुसैन और शबाना खातून घायल हुए हैं। वहीं, दूसरे पक्ष से रफाकत हुसैन, मन्नान, सज्जाद हुसैन, रौशन खातून और मोहम्मद फारूक सहित कई लोग जख्मी बताए गए हैं। घटना की सूचना मिलते ही बेलसर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस दोनों पक्षों से आवेदन लेकर आगे की कानूनी कार्रवाई में जुटी हुई है।

दहेज हत्या मामले में आरोपी पति बरी, कोर्ट ने 10 साल बाद किया रिहा, वकील बोले- सच की जीत हुई

बीएनएम @ मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर सिविल कोर्ट ने दहेज हत्या के एक मामले में आरोपी संजीत महतो को बरी कर दिया है। एडीजे-1 की अदालत ने उन्हें दस साल बाद आरोपी को बाइज्जत रिहा किया। संजीत महतो पारू थाना क्षेत्र के केशोपुर वभनगांव के निवासी हैं। यह मामला संजीत महतो के ससुर शंकर महतो ने पारू थाना में दर्ज कराया था। इसकी प्राथमिकी संख्या 250/16 थी। अभियोजन पक्ष ने अदालत में चार गवाह पेश किए थे। हालांकि, आरोपी के खिलाफ पर्याप्त सबूतों के अभाव में अदालत ने उन्हें रिहा करने का फैसला सुनाया। संजीत महतो का बचाव मानवाधिकार अधिवक्ता एस.के. झा ने किया। उन्होंने अदालत में मजबूती से अपना पक्ष रखा। रिहाई के बाद वकील झा ने कहा, "सत्य परेशान हो सकता है, लेकिन पराजित नहीं।" उन्होंने यह भी बताया कि संजीत महतो एक गरीब परिवार से आते हैं और उनके खिलाफ पर्याप्त सबूत नहीं थे।

देसी कट्टा के साथ 5 बदमाश अरेस्ट, 212 पुड़िया स्मैक सहित आधार कार्ड जब्त

बीएनएम @ मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर के कांटी थाना क्षेत्र में 22 मई 2026 को हुई लूटपाट की घटना का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। इस मामले में पांच बदमाशों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने उनके पास से लूटा गया सामान, एक देसी कट्टा, 212 पुड़िया स्मैक और घटना में इस्तेमाल की गई बाइक बरामद की है। बाइक सवार युवक से हुई लूट की इस घटना के संबंध में कांटी थाना में कांड संख्या 316/26 दर्ज किया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर एक विशेष टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम ने तकनीकी और सूचना के आधार पर लगातार छापेमारी की और आरोपियों तक पहुंचने में सफलता हासिल की। सबसे पहले सुंदरम कुमार, धर्मनाथ कुमार उर्फ बड़ी और दीपक कुमार उर्फ विवेक कुमार को गिरफ्तार किया गया। उनकी निशानदेही पर कपरपुरा ओवरब्रिज के पास छापेमारी कर लूटा गया आधार कार्ड, ऑनर बुक और एक देसी कट्टा बरामद किया गया।

बिहार पुलिस कॉन्स्टेबल का फाइनल रिजल्ट जारी, 13 लाख कैंडिडेट्स ने दिया था एग्जाम

19,838 अभ्यर्थियों का हुआ सिलेक्शन, इनमें 17 ट्रांसजेंडर

बीएनएम @ पटना

केंद्रीय चयन पर्षद (CSBC) ने बिहार पुलिस सिपाही भर्ती परीक्षा-2025 का फाइनल रिजल्ट जारी कर दिया है। इस भर्ती प्रक्रिया में कुल 19,838 अभ्यर्थियों का चयन हुआ है, जिनमें 17 ट्रांसजेंडर अभ्यर्थी भी शामिल हैं। अभ्यर्थी अपना रिजल्ट CSBC की आधिकारिक वेबसाइट पर देख सकते हैं। भर्ती के लिए कुल 17,06,628 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था। इनमें से 13,30,121 उम्मीदवार लिखित परीक्षा में शामिल हुए थे।

PET में 79 हजार से ज्यादा अभ्यर्थी शामिलः लिखित परीक्षा के आधार पर 99,690 अभ्यर्थियों को शारीरिक दक्षता परीक्षा (PT) के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया था। पर्षद के अनुसार, PET में कुल 79,932 अभ्यर्थियों ने हिस्सा लिया। इनमें 50,477 पुरुष, 29,426 महिला, 29 ट्रांसजेंडर अभ्यर्थी शामिल थे। शारीरिक दक्षता परीक्षा में प्रदर्शन के आधार पर अंतिम मेरिट लिस्ट तैयार की गई। अंतिम लिस्ट में कुल 19 हजार 838 अभ्यर्थियों का चयन किया गया है। इनमें बिहार पुलिस के लिए 16 हजार 852 और बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस (BSAP) के लिए 2,986 अभ्यर्थियों को चुना गया है। चयनित अभ्यर्थियों में 12 हजार 509 पुरुष, 7 हजार 312 महिलाएं और 17 ट्रांसजेंडर अभ्यर्थी शामिल हैं। इसके अलावा 332 प्रशिक्षित गृह रक्षक और 190 स्वतंत्रता सेनानियों के आश्रितों को भी चयन सूची में जगह दी गई है।

20 जून से देना होगा योगदानः केंद्रीय चयन पर्षद ने बताया कि चयनित अभ्यर्थियों को 20 जून 2026 से 19 जुलाई 2026 के बीच संबंधित नियुक्ति प्राधिकारी के कार्यालय में योगदान देना होगा। नियुक्ति से पहले अभ्यर्थियों का कैरक्टर सर्टिफिकेट और मेडिकल कराई जाएगी।

बिहार पुलिस सिपाही भर्ती परीक्षा-2025 कुल 6 चरणों में आयोजित की गई थी। केंद्रीय चयन पर्षद (CSBC) ने यह परीक्षा 16 जुलाई, 20 जुलाई, 23 जुलाई, 27 जुलाई, 30 जुलाई और 3 अगस्त 2025 को आयोजित कराई थी। इस भर्ती का विज्ञापन मार्च 2025 में जारी किया गया था। भर्ती प्रक्रिया के लिए कुल 16,73,586 अभ्यर्थियों ने ऑनलाइन आवेदन किया था। इनमें से 13,30,121 उम्मीदवार लिखित परीक्षा में शामिल हुए। पर्षद के अनुसार, परीक्षा के दौरान अनियमितता या गलत जानकारी देने के कारण 71 अभ्यर्थियों को अयोग्य घोषित किया गया। लिखित परीक्षा के बाद सफल अभ्यर्थियों को शारीरिक दक्षता परीक्षा (PET) के लिए बुलाया गया था, जिसके आधार पर अंतिम मेरिट सूची तैयार की गई।

6 फीट हवा में उछलकर सड़क पर गिरा युवक, मौत

बीएनएम @ पटना

पटना के कुर्जी होली फैमिली हॉस्पिटल के पास 100 की स्पीड में बाइक डिवाइडर से टकरा गई। जिसके बाद बाइक स्किट करते ही युवक 6 फीट हवा में उछलकर सड़क पर गिर गया। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना पाटलिपुत्र थाना क्षेत्र की है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि युवक स्टंट करते हुए हाई स्पीड में दानापुर की तरफ जा रहा था। इसी दौरान बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइटर से टकरा गई। मृतक की पहचान रहीस (26) के रूप में हुई है, जो पाटलिपुत्र कॉलोनी का रहने वाला था। इंस्टाग्राम पर युवक की the hell rider 26 नाम से आईडी है और इस पर दर्जनों बाइक स्टंट के वीडियो अपलोड है। घटना की सूचना मिलने के बाद परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है।

100 की रफ्तार में थी बाइकः चश्मदीद ने बताया कि बाइक की स्पीड करीब 100 किलोमीटर प्रतिघंटा रही होगी। अचानक डिवाइडर से बाइक टकराई तो युवक और बाइक दोनों दो दिशा में फेंका गया। युवक हवा में उछलकर सड़क पर गिरा, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। करीब 20 मिनट तक अफरातफरी का माहौल बना रहा। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची। इससे पहले ट्रैफिक रेगुलेशन में तैनात पुलिसकर्मियों ने भीड़ को वहां से हटा दिया।

जांच-पड़ताल में जुटी पुलिसः पाटलिपुत्र थाने की पुलिस जांच-पड़ताल में जुट गई है। पुलिस ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज खंगाली जा रही है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए पीएमसीएच भेज दिया है। मामले की जांच कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

स्पेन में दीघा-कंकड़बाग प्रोजेक्ट को मिला अंतरराष्ट्रीय सम्मान

बीएनएम @ पटना

बिहार शहरी आधारभूत संरचना विकास निगम (बुडको) के दीघा-कंकड़बाग प्रोजेक्ट को "ग्लोबल वॉटर अवार्ड" से सम्मानित किया गया है। स्पेन में आयोजित 'ग्लोबल वॉटर समिट 2026' में दीघा-कंकड़बाग इंटीग्रेटेड वेस्ट वॉटर प्रोजेक्ट को 'वेस्टवॉटर प्रोजेक्ट ऑफ द ईयर' के रूप में अंतरराष्ट्रीय सम्मान मिला है। इस कार्यक्रम में दुनियाभर के कई देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए।

गौरव के साथ-साथ आगे बेहतर करने की प्रेरणाः बुडको प्रबंध निदेशक अनिमेष कुमार पराशर ने कहा कि यह सम्मान बुडको परिवार, नमामि गंगे और सभी भागीदार एजेंसियों की सामूहिक मेहनत और समर्पण का परिणाम है। यह हमारे लिए गौरव के साथ-साथ आगे बेहतर करने की प्रेरणा भी है। हमारा संकल्प है कि बिहार में जल प्रबंधन के क्षेत्र में निरंतर नए मानक स्थापित करें। उन्होंने पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता आगे के कार्यों के लिए जिम्मेदारी को और बढ़ाती है।

अंतरराष्ट्रीय मान्यता के साथ बुडको ने शहरी जल प्रबंधन और स्वच्छता के क्षेत्र में बिहार को देश के अग्रणी राज्यों की पंक्ति में स्थापित किया है। ग्लोबल वॉटर इंटेलिजेंस (GWI) की ओर से 2006 से दिया जाने वाला पुरस्कार जल क्षेत्र में नवाचार, स्थिरता और सामाजिक प्रभाव के सर्वोच्च वैश्विक मानकों का प्रतीक माना जाता है।

बकरीद को लेकर तुरकौलिया पुलिस का फ्लैग मार्च, लोगों से शांति बनाए रखने की अपील

बीएनएम @ तुरकौलिया

तुरकौलिया। बकरीद पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने को लेकर पूर्वी चम्पारण police की तुरकौलिया पुलिस पूरी तरह अलर्ट मोड में है। इसी कड़ी में बुधवार को तुरकौलिया अंचल इंस्पेक्टर धर्मवीर कुमार भारती एवं थानाध्यक्ष संपत कुमार के नेतृत्व में क्षेत्र में फ्लैग मार्च निकाला गया। फ्लैग मार्च का उद्देश्य आम लोगों के बीच सुरक्षा की भावना पैदा करना तथा क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाए रखना था। मार्च बोरिंग चौक, तुरकौलिया बाजार, तुरकौलिया चौक, कवलपुर, बैरिया, शंकर सरैया, मथुरापुर, सेमरा, बेलवाराय और बिजुलपुर समेत कई प्रमुख मार्गों से होकर गुजरा। इस दौरान पुलिस अधिकारियों ने लोगों से बकरीद पर्व आपसी भाईचारे और शांति के साथ मनाने की अपील की। अंचल इंस्पेक्टर धर्मवीर कुमार भारती ने कहा कि अफवाहों से बचें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें। वहीं थानाध्यक्ष संपत कुमार ने लोगों से क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस प्रशासन का सहयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर फैलने वाली भ्रामक सूचनाओं पर ध्यान न दें और किसी भी तरह की समस्या होने पर तुरंत पुलिस से संपर्क करें। फ्लैग मार्च में अपर थानाध्यक्ष रविरंजन कुमार, एसआई मनीष राज, सितारा, अयोध्या रमा, एएसआई कन्हैया लाल, संतोष पटेल समेत अन्य पुलिस पदाधिकारी एवं जवान मौजूद रहे।

मरंची पीएचसी के बाहर एक घंटे तक तड़पता रहा मरीज, सिविल सर्जन ने जांच के आदेश दिए

बीएनएम @ पटना

- **डॉक्टरों ने बिना प्राथमिक उपचार के एनएमसीएच रेफर किया**

मोकामा के मरंची प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) में एक बेहोश व्यक्ति को कथित तौर पर समय पर इलाज नहीं मिलने का मामला सामने आया है। अस्पताल कर्मियों पर लापरवाही का आरोप लगा है, जिसके बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया। घटना ने एक बार फिर बिहार की स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

डूब रहे युवक को मजदूर ने बचाकर स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचायाः जानकारी के अनुसार, हाथीदह थाना क्षेत्र के राजेंद्र सेतु स्थित दुखहरण स्थान घाट पर स्नान के दौरान करीब 50 वर्षीय एक अज्ञात व्यक्ति पानी में डूब गया। मौके पर मौजूद रेल ब्रिज के मजदूरों ने उसे तुरंत बाहर निकाला। उस समय व्यक्ति पूरी तरह बेहोश था।

PHC में पहुंचने के बाद एक घंटे तक बस में ही पड़ाः मजदूरों और स्थानीय लोगों ने आनन-फानन में उसे एक मिनी बस से मरंची पीएचसी पहुंचाया, ताकि उसकी जान बचाई जा सके और तत्काल इलाज मिल सके। लेकिन पीएचसी पहुंचने के बाद भी मरीज करीब एक घंटे तक बस में ही पड़ा रहा।

अस्पताल कर्मियों ने मरीज को उठाने में सहयोग करने से मना कियाः बस चालक ने अस्पताल कर्मियों से कई बार मदद की गुहार लगाई। उसने बताया कि मरीज भारी और बेहोश है, इसलिए उसे अकेले अंदर लाना संभव नहीं है। आरोप है कि इसके बावजूद स्वास्थ्य कर्मियों ने सहायता करने से इनकार कर दिया और कहा कि "जब तक मरीज को अस्पताल के अंदर नहीं लाया जाएगा, तब तक इलाज शुरू नहीं होगा।"

बिना प्राथमिक उपचार के एनएमसीएच रेफर कियाः घटना की जानकारी मिलने पर स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया और अस्पताल परिसर में हंगामा होने लगा। इसके बाद डॉक्टरों ने मरीज को बिना प्राथमिक उपचार दिए सीधे एनएमसीएच, पटना रेफर कर दिया।

मरीज की स्थिति गंभीर बनी हुई हैः सूचना मिलते ही हाथीदह थाना प्रभारी मौके पर पहुंचे और स्थिति को संभाला। पुलिस की मदद से मरीज को तत्काल पटना भेजा गया। फिलहाल उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस अब तक उसकी पहचान नहीं कर सकी है।

इधर, मामले पर संज्ञान लेते हुए सिविल सर्जन योगेंद्र प्रसाद मंडल ने जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने कहा कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी कर्मियों के खिलाफ सख्त कानूनी और विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

कैश वैन से 27 लाख लूटने वाले अपराधी का एनकाउंटर

बीएनएम @पटना

- **पटना पुलिस ने दौड़ाकर मारी गोली, ज्वेलरी शॉप की रेकी कर रहा था अजय पासवान**

बुधवार की सुबह पटना में दिनदहाड़े सिक्योरिटी वैन से 27 लाख लूट में शामिल बदमाश को पुलिस ने दौड़ाकर गोली मारी है। गोली पैर में लगी है। पुलिस ने उसके एक साथी अजय यादव उर्फ छोटू उर्फ सरवन को भी मौके से गिरफ्तार किया है। बदमाश को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बदमाश की पहचान अजय पासवान के रूप में हुई है। एनकाउंटर पटना के मसौढ़ी इलाके में हुई है।

पटना में 13 मई को सिक्योरिटी वैन से 27 लाख रुपए की लूट हुई थी। पुलिस को सूचना मिली कि वारदात में शामिल कुछ बदमाश मसौढ़ी इलाके में जमा हुए हैं। पुलिस और STF ने ने बदमाशों के ठिकाने की घेराबंदी की। पुलिस से घिरने के बाद बदमाश भागने लगे, खुद को घिरता देख अजय पासवान ने पुलिस पर 2 राउंड फायरिंग की। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोली चलाई। गोली बदमाश अजय पासवान के पैर में लगी और वो जमीन पर गिर पड़ा। आया है कि अजय पासवान और उसके गिरोह ने 2 दिन पहले मसौढ़ी के एक स्वर्ण व्यवसायी को निशाना बनाने की साजिश रची थी। इसके लिए अपराधियों ने व्यवसायी और दुकान की रेकी भी की थी। सिटी एस पूर्वी परिचय कुमार ने कहा कि, सुबह कुछ अपराधियों से मुठभेड़ हुई। पुलिस को सूचना मिली थी बदमाश लूट की प्लानिंग कर रहे हैं।

'लव गुरु' मटुकनाथ ने प्रशांत को बताया बाघ का कलेजावाला

बीएनएम @ पटना

रिटायर्ड प्रोफेसर मटुकनाथ चौधरी ने इन दिनों राजनीति की बातें कर रहे हैं। मटुकनाथ साल 2006 में जूली की लव स्टोरी से चर्चा में आए थे। उन्होंने भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की सीट रही 'बांकीपुर' पर युवाओं को वोट से चोट देने की अपील की है। दूसरी ओर प्रशांत किशोर की पार्टी जन सुराज को सपोर्ट किया है। मटुकनाथ ने शोषक सरकार के नाम से पोस्ट किया है। उन्होंने लिखा कि मतदाता मतदान कर सो जाते हैं। 5 साल बाद लुटेरा फिर आता है। जनता को जगाकर वोट लेकर चला जाता है। जनता फिर सो जाती है। कोई हिसाब मांगने वाला है ही नहीं, तो चाहे जो वादा कर लो, लेकिन सोयी जनता को जगाने और "क्या हुआ तेरा वादा, वो कसम वो इरादा" पर सवाल पूछने वाला प्रशांत और जन सुराज के सैकडों युवा मैदान में उतर चुके हैं। सावधान लुटेरों ! बाघ का कलेजावाला तुम्हारी पीठ पर सवार हो चुका है! वादा पूरा करो या गद्दी छोड़ो। पहले जनता नायक विहीन थी, मार्गदर्शक विहीन थी। प्रशांत के आगमन से वह संकट समाप्त हो गया है। अब चैन की वंशी नहीं बजा पाओगे। वे तुम्हारी नाक में दम कर देंगे। इसके अलावा मटुकनाथ ने अपने फेसबुक पोस्ट पर लिखा कि 'तोड़ो गढ़ प्रतिगामी पार्टी के... बांकीपुर के युवा-शक्तियों! न चुप बैठो हृदय हार के, तोड़ दो सारे बंधन एक परिवार के... देश को पीछे धकेलनेवाले कितने मगरूर हैं।

डॉक्टरों पर 10 करोड़ खर्च, सुपर-स्पेशियलिटी अस्पताल की फैसिलिटी नहीं

बीएनएम @पटना

पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (PMCH) में करोड़ों की लागत से 200 बेड का सुपर-स्पेशियलिटी अस्पताल बन रहा है। जी+7 सुपर-स्पेशियलिटी अस्पताल बाहर से लगभग तैयार दिखता है। हालांकि, इसकी आंतरिक फिनिशिंग, तकनीकी उपकरणों की स्थापना और सुरक्षा संबंधी परीक्षण अभी भी अधूरे हैं। लगभग 6 करोड़ 42 लाख 48 हजार रुपए की आधुनिक मशीनें खरीदी जा चुकी हैं। जिनका उपयोग गंभीर बीमारियों के इलाज में किया जाना है, लेकिन इंस्टॉल नहीं हैं। अधिकांश उपकरण पैककर बंद कमरों में रखे हुए हैं। तकनीकी विशेषज्ञों का कहना है कि उपयोग नहीं होने से मशीनों की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है। सूत्र बताते हैं कि इन विशेषज्ञ चिकित्सकों के वेतन पर अब तक 10 करोड़ रुपए से अधिक खर्च हो चुके हैं। बावजूद इसके मरीजों को सुपर-स्पेशियलिटी सेवाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा।

वारंटी और तकनीकी वैधता खत्म हो सकती हैः अस्पताल प्रशासन की चिंता है कि कई मशीनों की वारंटी और तकनीकी वैधता समय के साथ खत्म होने की स्थिति में पहुंच सकती है। यदि समय रहते इंस्टॉलेशन और ट्रायल नहीं हुआ, तो करोड़ों रुपए की सरकारी संपत्ति बेकार हो सकती है। अस्पताल प्रशासन का कहना है कि किसी भी मेडिकल उपकरण की वास्तविक उपयोगिता तभी साबित होती है, जब वह मरीजों के इलाज में इस्तेमाल हो, लेकिन फिलहाल स्थिति इसके बिल्कुल उलट है। 40 सुपर-स्पेशलिस्ट डॉक्टर मौजूद, लेकिन मरीज नहीं सुपर-स्पेशियलिटी सेवाओं को शुरू करने के लिए केंद्र और राज्य सरकार की प्रक्रिया के तहत लगभग 40 विशेषज्ञ डॉक्टरों की नियुक्ति पहले ही की जा चुकी है। इनमें कार्डियोलॉजी, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, न्यूरोसर्जरी, नेफ्रोलॉजी, ऑन्कोलॉजी, यूरोलॉजी, एंडोक्रिनोलॉजी और क्रिटिकल केयर विभाग के डॉक्टर शामिल हैं।

यहां तक कि एक ट्रांसप्लांट सर्जन भी अस्पताल में पदस्थापित हैं, लेकिन जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर नहीं होने के कारण एक भी ट्रांसप्लांट नहीं हो पा रहा है। अस्पताल के पास न तो तैयार वार्ड हैं, न ICU पूरी तरह चालू है और न ही ऑपरेशन थिएटर तकनीकी रूप से क्लियर हो पाए हैं। ऐसे में विशेषज्ञ डॉक्टरों को वास्तविक चिकित्सीय कार्य नहीं मिल पा रहा है। डॉक्टरों में निराशा बढ़ रही है और कुछ विशेषज्ञ संस्थान छोड़ने की तैयारी में हैं, तो कुछ विशेषज्ञ शैक्षणिक कार्यों में अपना योगदान दे रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

दहेज हत्या कांड में नामजद अभियुक्त गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी। पूर्वी चंपारण जिले के डुमरियाघाट थाना पुलिस ने दहेज हत्या मामले में कार्रवाई करते हुए एक नामजद अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान साहेब सहनी के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार डुमरियाघाट थाना कांड संख्या-301/25 में दर्ज दहेज हत्या मामले में आरोपी साहेब सहनी, निवासी पुरैना थाना डुमरियाघाट जिला पूर्वी चंपारण को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तारी के बाद पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है तथा मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि दहेज हत्या जैसे गंभीर मामलों को प्राथमिकता के आधार पर लिया जा रहा है। मामले से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है तथा आवश्यक साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं।

सोशल मीडिया पर हथियार प्रदर्शन करने वाले दो युवक गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी। पूर्वी चंपारण जिले के कल्याणपुर थाना पुलिस ने सोशल मीडिया पर हथियार के साथ फोटो और वीडियो वायरल करने के मामले में कार्रवाई करते हुए दो युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों की निशानदेही पर एक देसी कट्टा और एक जिंदा कारतूस भी बरामद किया है। पुलिस के अनुसार वायरल फोटो एवं वीडियो के आधार पर कार्रवाई करते हुए आशीष कुमार, पिता फुलेना राम, निवासी बाकरपुर थाना कल्याणपुर तथा प्रिंस कुमार, पिता विनय सिंह, निवासी हाजीपुर थाना केसरिया जिला पूर्वी चंपारण को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि पूछताछ के बाद दोनों अभियुक्तों की निशानदेही पर एक देसी कट्टा एवं एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया। दोनों आरोपियों के खिलाफ आर्म्स एक्ट सहित अन्य धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि सोशल मीडिया पर हथियारों का प्रदर्शन करने वालों पर लगातार नजर रखी जा रही है। ऐसे मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाएगी और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

हत्या के प्रयास मामले में दो अभियुक्त गिरफ्तार

बीएनएम @मोतिहारी। पूर्वी चंपारण जिले के जितना थाना पुलिस ने हत्या के प्रयास मामले में कार्रवाई करते हुए दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस दोनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है तथा मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है। पुलिस के अनुसार जितना थाना कांड संख्या-131/26 में दर्ज हत्या के प्रयास मामले में वीरेंद्र साह, पिता रामचंद्र साह एवं रवि किशन कुमार, पिता वीरेंद्र साह, दोनों निवासी बड़हरवा थाना जितना जिला पूर्वी चंपारण को गिरफ्तार किया गया है। थाना पुलिस ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए लगातार छापेमारी अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान दोनों आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता मिली। पुलिस मामले से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच कर रही है तथा आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की जा रही है।

पॉक्सो एक्ट का फरार अभियुक्त सात वर्षों बाद गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी। पूर्वी चंपारण जिले की शिकारगंज थाना पुलिस ने पॉक्सो एक्ट मामले में बड़ी सफलता हासिल करते हुए सात वर्षों से फरार चल रहे एक वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान विकास यादव के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार शिकारगंज थाना कांड संख्या-304/19 में दर्ज पॉक्सो एक्ट मामले में अभियुक्त विकास यादव, पिता नवल यादव, निवासी जगातीया टोला पकड़ीदयाल थाना पकड़ीदयाल जिला पूर्वी चंपारण, लंबे समय से फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार प्रयास कर रही थी। गुप्त सूचना एवं तकनीकी अनुसंधान के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद अभियुक्त से पूछताछ की जा रही है तथा मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए लगातार विशेष अभियान चलाया जा रहा है। गंभीर मामलों में फरार चल रहे आरोपियों को किसी भी स्थिति में बख्शा नहीं जाएगा और कानून के दायरे में लाया जाएगा।

मोटरसाइकिल चोरी कांड में एक अभियुक्त गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी। पूर्वी चंपारण जिले के कोटवा थाना पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी मामले में कार्रवाई करते हुए एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान भोला यादव के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार कोटवा थाना कांड संख्या-195/26 में दर्ज मोटरसाइकिल चोरी मामले में अभियुक्त भोला यादव, पिता राम तरस यादव, निवासी अमवा थाना कोटवा जिला पूर्वी चंपारण को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तारी के बाद पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है तथा मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है। थाना पुलिस ने बताया कि क्षेत्र में वाहन चोरी की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। चोरी की घटनाओं में शामिल अपराधियों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है, ताकि आम लोगों में सुरक्षा का भरोसा कायम रह सके।

आर्म्स एक्ट मामले में अभियुक्त को सजा, दो वर्ष का सश्रम कारावास

बीएनएम @ मोतिहारी। मोतिहारी पुलिस द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य एवं चार्जशीट के आधार पर आर्म्स एक्ट के एक मामले में न्यायालय ने अभियुक्त को दोषी करार देते हुए सजा सुनाई है। न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी रंजीत कुमार चौधरी द्वारा त्वरित विचारण के तहत छतौनी थाना कांड संख्या-436/24 (टीआर संख्या-1475/2025) में अभियुक्त आदित्य कुमार उर्फ बादल, पिता स्वर्गीय मदन पटेल, निवासी भवानीपुर जिरात थाना छतौनी जिला पूर्वी चंपारण को दोषी पाया गया। न्यायालय ने अभियुक्त को आर्म्स एक्ट की धारा 25 (1-B)(a) के तहत 2 वर्ष के सश्रम कारावास तथा धारा 26 आर्म्स एक्ट के तहत 1 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई। साथ ही अभियुक्त पर 1 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया गया है। मामले में अभियोजन पक्ष की ओर से शिवानी पाठक ने प्रभावी पैरवी की। मोतिहारी पुलिस द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य एवं अनुसंधान के आधार पर न्यायालय ने यह फैसला सुनाया।

एक माह में चार हत्याओं से सहमा इलाका, कई मामलों में असली अपराधी अब भी पकड़ से दूर; निर्दोषों को जेल भेज खानापूर्ति करने के आरोप

हरसिद्धि में कमजोर पुलिसिंग पर उठे सवाल, लगातार हत्याओं से दहशत; एसपी स्वर्ण प्रभात की सख्ती के बावजूद थाना स्तर पर विफलता के आरोप

सागर सूरज

मोतिहारी। पूर्वी चंपारण के हरसिद्धि थाना क्षेत्र में लगातार हो रही हत्याओं ने स्थानीय पुलिसिंग पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। एक महीने के भीतर चार युवकों की हत्या ने इलाके में भय और आक्रोश का माहौल पैदा कर दिया है। लोगों का आरोप है कि हरसिद्धि पुलिस अधिकांश हत्या मामलों में "अंधेरे में तीर" मारती नजर आती है। कई मामलों में पुलिस जल्दबाजी में कुछ लोगों को गिरफ्तार कर खुलासे का दावा कर देती है, जबकि असली अपराधी अब भी पकड़ से बाहर हैं। ताजा मामला संग्रामपुर थाना क्षेत्र के नंदपुर परसौना निवासी रमेश कुमार साह हत्याकांड का है। रमेश 24 मई को काठमांडू जाने के लिए घर से निकले थे, लेकिन इसके बाद उनका मोबाइल बंद हो गया। 26 मई को हरसिद्धि थाना क्षेत्र के धनखरैया गांव के समीप मक्के के खेत से उनका शव बरामद हुआ। पुलिस ने 12 घंटे के भीतर दो लोगों की गिरफ्तारी कर मामले के खुलासे का दावा किया है। जिसमें दुदही भरवलिया निवासी संतोष कुमार व हरसिद्धि बाजार निवासी प्रकाश कुमार को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। लेकिन इलाके में इस कार्रवाई को लेकर भी कई सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि पुलिस पर दबाव बढ़ते ही जल्दबाजी में कार्रवाई कर "केस निपटाने" की कोशिश की जाती है। इससे पहले 17 अप्रैल को मनोज कुमार सिंह की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में आक्रोशित ग्रामीणों ने हरसिद्धि थाना के सामने अरेराज-छपवा मुख्य सड़क जाम कर पुलिस पर आरोपियों को पैसे लेकर छोड़ने तक का आरोप लगाया था। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस प्रशासन

के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की थी। इसके बाद 9 मई को अजय पटेल की हत्या कर शव के साथ बर्बरता किए जाने की घटना ने पूरे इलाके को झकझोर दिया। वहीं 20 मई को लापता विजयकांत मिश्रा का शव खेत से बरामद हुआ। अब रमेश हत्याकांड ने लोगों के डर और गुस्से को और बढ़ा दिया है। लगातार हो रही वारदातों से यह सवाल उठ रहा है कि आखिर अपराधियों में पुलिस का भय क्यों खत्म होता जा रहा है। स्थानीय लोगों और जानकारों का कहना है कि जिला पुलिस कप्तान स्वर्ण प्रभात अपराध नियंत्रण और बेहतर पुलिसिंग को लेकर लगातार सक्रिय रहते हैं तथा कई मामलों में जिले में प्रभावी कार्रवाई भी हुई है। लेकिन हरसिद्धि थाना स्तर पर कमजोर अनुसंधान, स्थानीय सूचना तंत्र की कमी और संदिग्ध कार्यशैली के कारण अपराधियों के हौसले बुलंद होते जा रहे हैं। आरोप यह भी लग रहे हैं कि कई मामलों में वास्तविक अपराधियों तक पहुंचने के बजाय पुलिस आसान रास्ता अपनाकर कुछ लोगों को जेल भेज खानापूर्ति कर देती है। लोगों का कहना है कि यदि हत्या मामलों की निष्पक्ष और वैज्ञानिक तरीके से जांच नहीं हुई तो क्षेत्र में कानून व्यवस्था की स्थिति और गंभीर हो सकती है। अब लोगों की नजर जिला पुलिस प्रशासन पर टिकी है कि हरसिद्धि में लगातार हो रही हत्याओं और पुलिसिंग पर उठ रहे सवालों के बीच क्या ठोस कदम उठाए जाते हैं।

शरण कॉम्प्लेक्स के सामने स्थित कुएँ से जुड़े मामले में एसडीओ ने दिए जांच के निर्देश, अतिक्रमणकारियों में बढ़ी बेचैनी

बेलबानवा में कुआँ अतिक्रमण मामले की जांच के आदेश से हड़कंप, जलस्रोत संरक्षण को लेकर सख्त हैं कोर्ट और सरकार

सागर सूरज

मोतिहारीः मोतिहारी सदर अनुमंडल कार्यालय से जारी एक आदेश के बाद बेलबानवा स्थित शरण कॉम्प्लेक्स के सामने के कुएँ और जलस्रोत अतिक्रमण का मामला चर्चा में आ गया है। अनुमंडल पदाधिकारी, सदर मोतिहारी द्वारा जारी पत्र में अंचलाधिकारी और नगर थाना को आवेदन की जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है।

जांच के आदेश की सूचना फैलते ही कथित अतिक्रमणकारियों में हड़कंप मच गया है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि अब कुएँ और उसके आसपास के क्षेत्र को बचाने के बजाय अतिक्रमण को वैध दिखाने के लिए नए-नए तरीके अपनाए जा रहे हैं।

बताया जा रहा है कि संबंधित कुआँ लंबे समय से स्थानीय लोगों के उपयोग में रहा है और क्षेत्र के पुराने जलस्रोतों में शामिल माना जाता है। जानकारों का कहना है कि भारत में कुआँ, तालाब, पोखर और अन्य पारंपरिक जलस्रोतों को केवल निजी संपत्ति नहीं बल्कि सार्वजनिक पर्यावरणीय संपदा माना गया है।

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत स्वच्छ पानी और स्वस्थ पर्यावरण को जीवन के अधिकार का हिस्सा माना गया है। वहीं अनुच्छेद 48ए राज्य को पर्यावरण और जलस्रोत संरक्षण का दायित्व देता है, जबकि अनुच्छेद 51A(g) प्रत्येक नागरिक को प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा का कर्तव्य सौंपता है।

सुप्रीम कोर्ट और नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने भी कई फैसलों में स्पष्ट कहा है

कि प्राकृतिक जलस्रोतों को नष्ट करना संविधान के खिलाफ है। कोर्ट ने कुआँ, तालाब, आहर-पईन और पोखर पर अतिक्रमण हटाने, जलस्रोत भरकर निर्माण रोकने तथा सरकारी रिकॉर्ड में दर्ज जलस्रोत की

प्रकृति नहीं बदलने का निर्देश दिया है। "Polluter Pays Principle" के तहत यदि कोई व्यक्ति या संस्था जलस्रोत को प्रदूषित करती है तो उससे सफाई और क्षतिपूर्ति की राशि भी वसूली जा सकती है।

बिहार में राजस्व अभिलेख में दर्ज कुआँ और पोखर सार्वजनिक संपत्ति माने जाते हैं। पंचायत, अंचलाधिकारी और डीसीएलआर को इनके संरक्षण और अतिक्रमण हटाने का अधिकार प्राप्त है।

राज्य सरकार की "जल-जीवन-हरियाली" योजना के तहत पुराने कुओं का पुनर्जीवन, वर्षा जल संचयन, भूजल स्तर सुधार, सफाई और खुदाई जैसे कार्य कराए जाते हैं। वहीं मनरेगा योजना से सार्वजनिक कुओं की मरम्मत, चबूतरा निर्माण, रिचार्ज पिट और जल निकासी व्यवस्था भी बनाई जा सकती है।

कानूनी विशेषज्ञों के अनुसार यदि निजी जमीन पर स्थित कुआँ वर्षों से सार्वजनिक उपयोग में हो या राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज हो तो उसे मनमाने तरीके से बंद या भरा नहीं जा सकता।

ऐसे मामलों में अंचलाधिकारी, जिला प्रशासन, एनजीटी अथवा हाईकोर्ट तक शिकायत की जा सकती है। जांच के आदेश के बाद अब प्रशासनिक कार्रवाई और स्थल निरीक्षण पर सबकी नजर टिकी हुई है।

चेक बाउंस मामलों के निपटारे के लिए 18 जुलाई को विशेष लोक अदालत

समझौते से मिलेगा त्वरित समाधान, 2066 मामलों के निष्पादन की तैयारी

बीएनएम @ मोतिहारी @ अवनीश कुमार सिंह

मोतिहारी। चेक बाउंस से जुड़े मामलों के त्वरित एवं सौहार्दपूर्ण निष्पादन के लिए आगामी 18 जुलाई 2026 को पूर्वी चंपारण जिले में विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इसे लेकर जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार अभिषेक कुमार दास की अध्यक्षता में जिले के सभी न्यायिक दंडाधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में परक्राम्य लिखत अधिनियम (एनआई एक्ट) की धारा 138 से संबंधित मामलों के प्रभावी निष्पादन को लेकर विस्तृत समीक्षा की गई। इस दौरान नितिन त्रिपाठी एवं पुनीत कुमार तिवारी भी उपस्थित रहे। माननीय जिला एवं सत्र न्यायाधीश अभिषेक कुमार दास ने सभी न्यायिक पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि विशेष लोक अदालत को सफल बनाने के लिए पक्षकारों को आपसी समझौते के माध्यम से मामलों के निपटारे हेतु प्रेरित किया जाए, ताकि लोगों को शीघ्र न्याय मिल सके। बैठक में जानकारी दी गई कि जिले में एनआई एक्ट की धारा 138 से संबंधित कुल 2066 मामलों की पहचान की गई है। इन मामलों में संबंधित पक्षकारों को व्यवस्थित रूप से नोटिस भेजे जा रहे हैं, ताकि अधिक से अधिक मामलों का निष्पादन विशेष लोक अदालत के माध्यम से किया जा सके। जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव नितिन त्रिपाठी ने कहा कि लोक अदालत वैकल्पिक विवाद निवारण का प्रभावी मंच है, जहां पक्षकारों को सुलभ, त्वरित एवं सौहार्दपूर्ण न्याय प्राप्त होता है। उन्होंने आम लोगों से अपील की कि वे विशेष लोक अदालत में उपस्थित होकर आपसी सहमति से अपने मामलों का समाधान कराएं। बैठक में नोटिस तामिला, पक्षकारों की उपस्थिति तथा मामलों के प्रभावी निष्पादन सहित विभिन्न व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

बकरीद पर्व को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्टः 508 संवेदनशील स्थलों पर दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस बल तैनात

» सोशल मीडिया पर 24 घंटे साइबर सेल की नजर, अफवाह फैलाने वालों पर होगी कड़ी कार्रवाई।

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। बकरीद पर्व को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं भाईचारे के वातावरण में संपन्न कराने को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क एवं सक्रिय हो गया है। जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल एवं पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने संयुक्त आदेश जारी करते हुए जिले के सभी महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील 508 स्थलों पर दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी तथा पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की है। प्रशासन द्वारा जारी आदेश के अनुसार सदर अनुमंडल में 179, ढाका अनुमंडल में 122,

पकड़ीदयाल अनुमंडल में 48, अरेराज अनुमंडल में 51, चकिया अनुमंडल में 69 तथा रक्सौल अनुमंडल में 39 चिन्हित स्थलों पर विशेष सुरक्षा व्यवस्था की गई है। इस वर्ष ईद-उल-जोहा (बकरीद) का पर्व 28 मई 2026 को मनाए जाने की संभावना है, जो चांद के दीदार पर निर्भर करेगा। पर्व को लेकर जिला प्रशासन ने सुरक्षा एवं विधि-व्यवस्था बनाए रखने हेतु व्यापक तैयारियां पूरी कर ली हैं। जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल ने सभी प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों को समय पर अपने प्रतिनियुक्ति स्थल पर पहुंचकर पूरी जिम्मेदारी एवं सतर्कता के साथ कर्तव्यों का निर्वहन करने का निर्देश दिया है। साथ ही, आसपास की गतिविधियों पर लगातार नजर बनाए रखने एवं किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल वरीय अधिकारियों को देने को कहा गया है। प्रशासन ने आसूचना तंत्र को और अधिक मजबूत करने के निर्देश दिए हैं। वहीं, सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने वाले एवं अफवाह फैलाने वाले असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखने तथा उनके विरुद्ध त्वरित एवं कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करने का आदेश दिया गया है। पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने बताया कि पर्व के दौरान सादे लिबास में भी पुलिसकर्मियों की तैनाती की जाएगी, जो शरारती एवं उपद्रवी तत्वों की गतिविधियों पर नजर रखेंगे। इसके अलावा शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में बाइकर्स पुलिस लगातार गश्ती करेगी। साइबर सेल की टीम को भी 24 घंटे एक्टिव मोड में रखते हुए सोशल मीडिया की निगरानी करने का निर्देश दिया गया है। विधि-व्यवस्था के प्रभावी संधारण हेतु सभी प्रखंडों के बीडीओ, सीओ एवं थानाध्यक्षों को आपसी समन्वय बनाकर लगातार संवेदनशील एवं महत्वपूर्ण स्थलों का भ्रमण करने तथा स्थिति पर कड़ी नजर रखने का निर्देश दिया गया है। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने जिलेवासियों से अपील की है कि वे आपसी भाईचारे, प्रेम एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में बकरीद का पर्व मनाएं तथा किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें। पर्व के अवसर पर जिला नियंत्रण कक्ष तीन पालियों में 24 घंटे कार्यरत रहेगा। जिला नियंत्रण कक्ष का दूरभाष नंबर 06252-242418 जारी किया गया है। नियंत्रण कक्ष में पर्याप्त संख्या में अधिकारियों, पुलिस बल, फायर ब्रिगेड टीम एवं दंगा निरोधी दस्ते की तैनाती की गई है। इसके अतिरिक्त जिले के सभी छह अनुमंडलों में भी नियंत्रण कक्ष स्थापित किए गए हैं, जहां से पल-पल की गतिविधियों की निगरानी की जाएगी। वरीय अधिकारियों को अनुमंडलवार विशेष जिम्मेदारी भी सौंपी गई है। नगर आयुक्त आशीष कुमार को सदर अनुमंडल, अपर समाहर्ता मुकेश कुमार सिन्हा को सिकरहना (ढाका) अनुमंडल, उप विकास आयुक्त डॉ. प्रदीप कुमार को रक्सौल अनुमंडल, अपर समाहर्ता (लोक शिकायत) शैलेंद्र कुमार भारती को अरेराज अनुमंडल, जिला बंदोबस्त पदाधिकारी कुमार विवेकानंद को चकिया अनुमंडल तथा जिला परिवहन पदाधिकारी निवेदिता कुमारी को पकड़ीदयाल अनुमंडल की संपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि पर्व की समाप्ति तक कोई भी पदाधिकारी बिना सक्षम अनुमति मुख्यालय नहीं छोड़ेंगे तथा सभी अधिकारी मुख्यालय में उपस्थित रहकर विधि-व्यवस्था की लगातार मॉनिटरिंग करेंगे।

भारत की जनगणना- 2027 में गलत सांख्यिकीय आंकड़े स्वीकार्य नहीं : उपनिदेशक

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। पूर्वी चम्पारण जिले में भारत की जनगणना- 2027 के तहत चल रहे मकान सूचीकरण एवं मकान गणना कार्य का केंद्रीय स्तर पर औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उपनिदेशक, जनगणना निदेशालय, पटना मोहन राजखोवा एवं जिला नोडल अधिकारी जनगणना-सह-जिला सांख्यिकी पदाधिकारी अवधेश कुमार श्रीवास्तव ने स्पष्ट कहा कि जनगणना कार्य में गलत सांख्यिकीय आंकड़े किसी भी परिस्थिति में स्वीकार्य नहीं होंगे। निरीक्षण के क्रम में सुगौली चार्ज अंतर्गत सुपरवाइजरी सर्किल- 47 के पर्यवेक्षक कुणाल चौबे एवं प्रगणक अजीत कुमार द्वारा एचएलबी-279 अंतर्गत 004, 108 एवं 175 क्षेत्रों में किए गए कार्यों की जांच की गई। वहीं पर्यवेक्षकीय सर्किल-30 के पर्यवेक्षक सुमंतकांत गुप्ता एवं प्रगणक कविता कुमारी द्वारा किए गए कार्यों का भी सत्यापन किया गया। इस दौरान कुल 153 भवन, 202 जनगणना मकान एवं 196 सामान्य परिवारों से संबंधित आंकड़ों का रैंडम मिलान किया गया। परिवार के मुखियाओं ने उपलब्ध कराए गए डाटा की सत्यता की पुष्टि की। इसके अतिरिक्त रामगढ़वा चार्ज अंतर्गत पर्यवेक्षकीय सर्किल-0054 के पर्यवेक्षक राकेश कुमार तथा एचएलबी-0305, 0306 एवं 0307 के प्रगणकों क्रमशः वेयंत कुमार, अर्चना कुमारी एवं अशोक कुमार द्वारा किए गए कार्यों का भी भौतिक सत्यापन किया गया। एचएलबी-305 में कुल 83 भवन, 114 जनगणना मकान एवं 108 सामान्य परिवार, जबकि एचएलबी-307 में 145 भवन, 205 जनगणना मकान एवं 129 सामान्य परिवार पाए गए। निरीक्षण के बाद अधिकारियों ने कार्यों पर संतोष व्यक्त करते हुए संबंधित कर्मियों की सराहना की। निरीक्षण के दौरान परिवारों से प्राप्त विवरणों का मिलान कर डाटा की शुद्धता एवं कार्य की गुणवत्ता की जांच की गई। मोबाइल एप के माध्यम से संकलित आंकड़ों की गहन समीक्षा करते हुए परिवारजनों की समस्याओं का समाधान भी किया गया। अधिकारियों ने आमजन से अपील की कि वे इस राष्ट्रव्यापी महत्वपूर्ण कार्य में ईमानदारीपूर्वक सहयोग करें। उपनिदेशक मोहन राजखोवा ने कहा कि जनगणना-2027 से संबंधित सभी तथ्यात्मक सूचनाएं रियल टाइम एंट्री के माध्यम से एचएलओ एप पर दर्ज की जाएं। उन्होंने चार्ज अधिकारियों, पर्यवेक्षकों एवं प्रगणकों को निर्देश दिया कि जनगणना कार्य पूर्ण पारदर्शिता के साथ निदेशालय के दिशा-निर्देशों के अनुरूप ही किया जाए तथा भारत सरकार, गृह मंत्रालय के महारजिस्ट्रार एवं जनगणना आयुक्त कार्यालय द्वारा जारी निर्देश पुस्तिका का अक्षरशः पालन सुनिश्चित किया जाए। मौके पर राज्य नोडल अधिकारी आदित्य कुमार, राज्य पर्यवेक्षक हेमंत कुमार एवं रामध्यान सिंह, जिला मास्टर ट्रेनर रमेश कुमार एवं राजीव कुमार सिंह सहित जिला जनगणना कोषांग के गोपाल मिश्र, अमरेश कुमार, वसीम परवेज, तारिक अनवर, नौशाद आलम एवं कमलेश कुमार सिंह उपस्थित रहे।

सात निश्चय-3 योजनाओं की धीमी प्रगति पर डीडीसी सख्त, कई अभियंताओं से स्पष्टीकरण

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। पूर्वी चंपारण में सात निश्चय-3 के अंतर्गत "हर खेत सिंचाई का पानी" योजना की धीमी प्रगति पर प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाया है। उप विकास आयुक्त डॉ. प्रदीप कुमार ने बुधवार को डॉ. राधाकृष्णन सभागार, मोतिहारी में जल संसाधन विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर योजनाओं की प्रगति पर नाराजगी जताई। बैठक में कई अभियंताओं की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए स्पष्टीकरण पूछने और जिलाधिकारी को रिपोर्ट भेजने का निर्देश दिया गया। बैठक में मनरेगा अभिसरण के तहत 20 क्यूसेक से कम जल आश्रव की सफाई एवं उड़ाही कार्यों की समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान तिरहुत नहर प्रमंडल ढाका के कार्यपालक अभियंता धर्मवीर कुमार बिना सूचना अनुपस्थित पाए गए, जिस पर डीडीसी ने गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए उनके खिलाफ जिलाधिकारी को रिपोर्ट करने का निर्देश दिया। वहीं, सहायक अभियंता चंद्रमणि कुमार एवं कनीय अभियंता सुनील कुमार पर योजनाओं में रुचि नहीं लेने का आरोप लगाते हुए उनसे स्पष्टीकरण पूछने को कहा गया। बताया गया कि उक्त प्रमंडल में 111 योजनाओं को प्रशासनिक स्वीकृति मिलने के बावजूद कार्य शुरू नहीं किया गया है। नहर प्रमंडल रक्सौल के कनीय अभियंता मो. नदीम कुरैशी के अनुपस्थित रहने पर भी स्पष्टीकरण का निर्देश दिया गया। समीक्षा में सामने आया कि रक्सौल प्रमंडल में 135 योजनाओं को स्वीकृति मिली, लेकिन मात्र छह योजनाओं पर ही कार्य शुरू हुआ है। तिरहुत नहर प्रमंडल मोतिहारी के कार्यपालक अभियंता ने बताया कि पहाड़पुर प्रखंड के परसौनी, पश्चिमी सिसवा, तुरकौलिया के जयसिंह पूर्वी एवं मोतिहारी सदर के सिरसमा पंचायत के पंचायत रोजगार सेवकों द्वारा सहयोग नहीं किया जा रहा है। इस पर डीडीसी ने संबंधित पंचायत रोजगार सेवकों से भी स्पष्टीकरण पूछने का निर्देश दिया। समीक्षा में यह भी सामने आया कि तिरहुत नहर प्रमंडल मोतिहारी में 228 योजनाओं को प्रशासनिक स्वीकृति मिलने के बावजूद सिर्फ चार योजनाओं पर कार्य शुरू हुआ है। जिले की कुल 614 योजनाओं में से केवल 462 की एंट्री की गई है, जबकि 144 योजनाओं की जियो टैगिंग कराई गई है। इनमें भी सिर्फ 24 योजनाओं पर ही कार्य शुरू हो पाया है। डीडीसी ने इस प्रगति को "बेहद खेदजनक" बताया। बैठक में निदेशक एनईपी डॉ. कुंदन, डीपीओ मनरेगा, सभी कार्यपालक अभियंता, सहायक अभियंता एवं कनीय अभियंता जल संसाधन विभाग उपस्थित रहे। डीडीसी ने सभी कार्यपालक अभियंताओं को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि योजनाओं में तेजी नहीं लाई गई और लापरवाही जारी रही तो इसकी लिखित सूचना जिलाधिकारी को भेजी जाएगी। साथ ही सभी 614 योजनाओं की शीघ्र एंट्री और कार्य प्रारंभ कराने का सख्त निर्देश दिया गया।

संक्षिप्त समाचार

घर से 10 कदम दूर ठेकेदार को अपराधियों ने मारी गोली, पटना में ऑपरेशन कर निकाली गई गोली

बीएनएम @ रामगढ़वा। थाना क्षेत्र के सिंहासनी पंचायत अंतर्गत नंदलाली गांव में मंगलवार देर रात अपराधियों ने एक ठेकेदार को गोली मारकर इलाके में दहशत फैला दी। घायल ठेकेदार की पहचान 45 वर्षीय संजीव कुमार के रूप में हुई है। घटना के बाद परिजनों ने उन्हें इलाज के लिए पटना के निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां ऑपरेशन कर शरीर से गोली निकाल दी गई। फिलहाल उनकी स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, संजीव कुमार मंगलवार रात करीब 10:30 बजे मोतिहारी से मोटरसाइकिल से गांव लौटे थे। गांव में वाहन खड़ा कर वह पैदल अपने घर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान घर से महज 10 कदम की दूरी पर पहले से घात लगाए दो बाइक सवार अपराधियों ने उन पर फायरिंग शुरू कर दी। पहली गोली निशाने से चूक गई, जबकि दूसरी गोली उनके सीने के बगल में जा लगी। गोली लगते ही संजीव सड़क पर गिर पड़े। घटना के दौरान सड़क किनारे मचान पर सो रहे कुछ बच्चों ने शोर मचाने की कोशिश की, लेकिन अपराधियों ने उन्हें धमकाकर चुप करा दिया। इसके बाद बदमाश बीच गांव से होते हुए फरार हो गए। वारदात के बाद पूरे गांव में दहशत का माहौल है। घायल के पिता नागेंद्र सहनी और भाई दीपू सहनी ने बताया कि परिजन तत्काल संजीव को रामगढ़वा पीएचसी लेकर पहुंचे, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें मोतिहारी रेफर कर दिया गया। बाद में बेहतर इलाज के लिए पटना के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां सफल ऑपरेशन कर गोली निकाल दी गई। बताया जाता है कि संजीव कुमार तमिलनाडु में ठेकेदारी का काम करते हैं। वह करीब एक माह पहले गांव में एक शादी समारोह में शामिल होने आए थे। संजीव तीन बेटियों और एक बेटे के पिता हैं। घटना की सूचना मिलने के बाद पूर्वी चम्पारण पुलिस की टीम मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई है। पुलिस हमलावरों की पहचान और घटना के कारणों का पता लगाने में लगी हुई है।

शिकारपुर में पुलिस टीम पर हमला, सरकारी कार्य में बाधा डालने के आरोप में एक गिरफ्तार

बीएनएम @ बेतिया। पश्चिम चंपारण जिले के शिकारपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम मढ़िया में कांड के अनुसंधान के दौरान पुलिस टीम पर हमला किए जाने का मामला सामने आया है। घटना में पुलिसकर्मी घायल हुए हैं, जबकि पुलिस वाहन को भी क्षतिग्रस्त कर दिया गया। मामले में पश्चिम चम्पारण पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 26 मई 2026 को शिकारपुर थाना कांड संख्या 539/26 के अनुसंधान के क्रम में अनुसंधानकर्ता पु.अ.नि. रविशंकर कुमार पुलिस बल के साथ ग्राम मढ़िया पहुंचे थे। इसी दौरान कांड के नामजद अभियुक्तों एवं उनके परिजनों द्वारा पुलिस टीम पर अचानक लाठी-डंडों से हमला कर दिया गया। आरोप है कि हमलावरों ने पुलिसकर्मियों के साथ मारपीट की, जिससे कई पुलिसकर्मी घायल हो गए। इतना ही नहीं, पुलिस वाहन पर पथराव कर उसे क्षतिग्रस्त भी कर दिया गया। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। इस मामले में पु.अ.नि. रविशंकर कुमार के बयान पर प्रिंस पासवान समेत 15 अन्य लोगों के विरुद्ध शिकारपुर थाना कांड संख्या 541/26 दर्ज किया गया है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मदन राम, पिता रगुनी राम उर्फ रघुनी राम, निवासी ग्राम मढ़िया थाना शिकारपुर को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस का कहना है कि शेष आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। फिलहाल क्षेत्र में विधि-व्यवस्था सामान्य बताई जा रही है।

बदहाल सड़क बनी हादसों की वजह, ग्रामीणों में आक्रोश

बीएनएम @ पताही। पताही–सुगापीपर मुख्य मार्ग पर भूराखाल के समीप सड़क की जर्जर स्थिति लोगों के लिए बड़ी परेशानी और दुर्घटनाओं का कारण बनती जा रही है। सड़क पर बने बड़े-बड़े गड्ढों में हल्की बारिश के बाद पानी भर जाने से राहगीरों और वाहन चालकों को भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क अब पूरी तरह हादसों को न्योता दे रही है। ग्रामीणों के अनुसार सड़क इतनी खराब हो चुकी है कि पैदल चलना भी जोखिम भरा हो गया है। बारिश के दौरान गड्ढों में पानी भर जाने से यह समझ पाना मुश्किल हो जाता है कि सड़क कहां समतल है और कहां गहरा गड्ढा। इसके कारण आए दिन बाइक सवार और छोटे वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि यह मार्ग पताही और सुगापीपर क्षेत्र को जोड़ने वाला प्रमुख सड़क मार्ग है, जहां प्रतिदिन सैकड़ों लोगों का आना-जाना लगा रहता है। इसके बावजूद संबंधित विभाग सड़क मरम्मत को लेकर गंभीर नहीं दिख रहा है। ग्रामीणों में नरेश पासवान, कमलेश पासवान, संजीत पासवान, अमित पासवान, जगलाल पासवान, सुजीत पासवान और जितेंद्र पासवान समेत कई लोगों ने प्रशासन से जल्द सड़क की मरम्मत कराने की मांग की है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे। ग्रामीणों का कहना है कि खराब सड़क का सबसे अधिक असर स्कूली बच्चों, मरीजों और दैनिक यात्रियों पर पड़ रहा है। लोगों ने जिला प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से अविलंब पहल कर सड़क की मरम्मत कराने की मांग की है, ताकि किसी बड़े हादसे से पहले स्थिति में सुधार हो सके।

नगर निगम में नव निर्वाचित सशक्त स्थायी समिति सदस्यों का सम्मान समारोह संपन्न

» महापौर प्रीति कुमारी ने कहा निर्विरोध निर्वाचन लोकतांत्रिक मूल्यों और जनसेवा के संकल्प का प्रतीक

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। नगर निगम भवन के सभागार में बुधवार को महापौर प्रीति कुमारी की अध्यक्षता में नव निर्वाचित सशक्त स्थायी समिति सदस्यों के सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम में नगर आयुक्त आशीष कुमार, उप महापौर लालबाबू प्रसाद, वार्ड पार्षदगण, पार्षद प्रतिनिधिगण, नगर निगम के अधिकारी, मीडिया प्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। महापौर प्रीति कुमारी के कुशल नेतृत्व एवं सभी 46 वार्डों के निगम पार्षदों के सहयोग से वार्ड संख्या 16, 18, 22, 23, 27, 29 एवं 45 के पार्षद सशक्त स्थायी समिति सदस्य के रूप में निर्विरोध निर्वाचित हुए। इस अवसर पर सभी नवनिर्वाचित सदस्यों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दी गईं। समारोह को संबोधित करते हुए महापौर श्रीमती कुमारी ने कहा कि स्थायी सशक्त समिति के सदस्यों का निर्विरोध निर्वाचन लोकतांत्रिक मूल्यों, आपसी विश्वास एवं सहयोग की भावना का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि यह केवल एक निर्वाचन नहीं, बल्कि नगर विकास, जनहित एवं सुशासन के प्रति सामूहिक संकल्प का परिचायक है। महापौर ने विश्वास व्यक्त किया कि समिति के सभी सदस्य अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन निष्ठा, पारदर्शिता एवं समर्पण के साथ करेंगे। उन्होंने कहा कि नगर निगम मोतिहारी लगातार विकास की दिशा में अग्रसर है तथा स्वच्छता, पेयजल, सड़क, प्रकाश व्यवस्था, स्वास्थ्य एवं नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाना निगम की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि स्थायी सशक्त समिति नगर निगम की योजनाओं एवं नीतियों को प्रभावी रूप से लागू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। साथ ही उन्होंने सभी पार्षदों एवं अधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति आपसी सहमति एवं जनसेवा की भावना में निहित होती है। कार्यक्रम के अंत में सभी नवनिर्वाचित सदस्यों को पुनः हार्दिक बधाई देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की गई।

बकरीद को लेकर अलर्ट मोड में पुलिस, एसपी स्वर्ण प्रभात ने किया रामगढ़वा थाना का औचक निरीक्षण

बीएनएम @ रामगढ़वा/मोतिहारी

रामगढ़वा/मोतिहारी। आगामी बकरीद पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने को लेकर पूर्वी चंपारण पुलिस पूरी तरह अलर्ट मोड में है। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने रामगढ़वा थाना का औचक निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था की तैयारियों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान थानाध्यक्ष राजीव कुमार साह सहित थाना के सभी पुलिसकर्मी मौजूद रहे। पत्रकारों से बातचीत करते हुए एसपी स्वर्ण प्रभात ने कहा कि बकरीद को लेकर जिला प्रशासन एवं पुलिस विभाग पूरी तरह सतर्क है। संवेदनशील इलाकों और प्रमुख चौक-चौराहों पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है। साथ ही पुलिस टीम लगातार गश्त कर संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखेगी, ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके। उन्होंने बताया कि आम लोगों में सुरक्षा का भरोसा कायम रखने के लिए क्षेत्र में फ्लैग मार्च भी निकाला जाएगा। सोशल मीडिया पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश देते हुए एसपी ने कहा कि अफवाह फैलाने या माहौल बिगाड़ने की कोशिश करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान एसपी ने थानाध्यक्ष को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि त्योहार के दौरान कानून-व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि सुरक्षा व्यवस्था में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और पुलिस पूरी मुस्तैदी के साथ शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए कार्य करेगी।

भारत ने नेपाल को भेंट किए 10 आधुनिक कैदी वाहन, भारत-नेपाल सहयोग का दिखा मजबूत रिश्ता

बीएनएम @ रक्सौल

रक्सौल। भारत सरकार ने नेपाल की कानून-व्यवस्था को और मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए नेपाल को 10 अत्याधुनिक कैदी वाहन (ट्रक) उपहार स्वरूप भेंट किए हैं। देवी सहाय मीना ने आयोजित विशेष कार्यक्रम में पर्सा जिले के मुख्य जिला अधिकारी भोला दहल को औपचारिक रूप से वाहन सौंपे। कार्यक्रम का आयोजन भारतीय महावाणिज्य दूतावास बिरगंज द्वारा किया गया। इस मौके पर मुख्य जिला अधिकारी भोला दहल ने भारत सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भारत की यह सहायता दोनों देशों के बीच मजबूत सहयोग और गहरे संबंधों का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि यह सहयोग नेपाल की सुरक्षा और प्रशासनिक व्यवस्था को और सुदृढ़ करेगा। महावाणिज्यदूत देवी सहाय मीना ने बताया कि भारत अब तक नेपाल पुलिस, सशस्त्र पुलिस बल और नेपाली सेना जैसी सुरक्षा एजेंसियों को 2,000 से अधिक वाहन उपलब्ध करा चुका है। उन्होंने कहा कि भारत और नेपाल के बीच सहयोग का यह सिलसिला लगातार मजबूत हो रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि इससे पूर्व 5 मार्च 2026 को हुए प्रतिनिधि सभा चुनाव के दौरान नेपाल सरकार के अनुरोध पर भारत ने एसयूवी, पिकअप और ट्रकों सहित करीब 640 वाहन नेपाल को उपलब्ध कराए थे, ताकि चुनाव प्रक्रिया को सुचारू रूप से संपन्न कराया जा सके। कार्यक्रम में मनीष दास, सुदीप राज पाठक, मोहन क्षेत्री तथा अशोक बैध सहित कई अधिकारी एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत द्वारा नेपाल को दी जा रही लगातार सहायता दोनों देशों के बीच दशकों पुराने विश्वास, सौहार्द और रणनीतिक साझेदारी को और अधिक मजबूत करती है।

तस्करी के लिए रखे गए 15 मवेशी बरामद, एक तस्कर गिरफ्तार

बीएनएम @ बेतिया

बेतिया। पश्चिम चंपारण जिले के कालीबाग थाना क्षेत्र में पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए तस्करी के लिए रखे गए 15 मवेशियों को बरामद किया है। कार्रवाई के दौरान एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया, जबकि दूसरे आरोपी की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है। इस कार्रवाई को पश्चिम चम्पारण पुलिस की बड़ी सफलता माना जा रहा है। पुलिस को सूचना मिली थी कि कालीबाग थाना क्षेत्र के गड़वान टोली वार्ड नंबर-10 स्थित दिलनवाज आलम के घर में बड़ी संख्या में गाय और बछड़ों को तस्करी के उद्देश्य से रखा गया है। सूचना के सत्यापन एवं कार्रवाई के लिए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर सदर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। टीम में नगर, कालीबाग और मनुआपुल थाना के पुलिस पदाधिकारी शामिल थे। छापेमारी के दौरान दिलनवाज आलम एवं अमजद खान के घर से छह गाय, तीन बाछी एवं छह बछड़े समेत कुल 15 मवेशी बरामद किए गए। मौके से बड़ा लकड़ी का ठेला, लोहे का दाव, पांच बड़े चाकू, दो लोहे का तराजू तथा एक मोबाइल भी जब्त किया गया। पुलिस ने दिलनवाज आलम, पिता फिरोज खान, निवासी गड़वान टोली वार्ड नंबर-10 थाना कालीबाग को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं दूसरे आरोपी अमजद खान की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। इस मामले में कालीबाग थाना कांड संख्या 146/26 दर्ज करते हुए भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं एवं पशु क्रूरता अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। छापेमारी दल में सदर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, पर्यवेक्षी पदाधिकारी राजेश कुमार, मनुआपुल थानाध्यक्ष रवि कुमार, कालीबाग थाना की अपर थानाध्यक्ष सिमरन कुमारी समेत कई पुलिस पदाधिकारी और रिजर्व गार्ड शामिल रहे।

सर्वोदय उच्च माध्यमिक विद्यालय जाहिंगरा में बालिका स्वच्छता सप्ताह: जागरूकता, स्वास्थ्य और रचनात्मकता का संगम

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। बालिकाओं के स्वास्थ्य, स्वच्छता और जागरूकता को केंद्र में रखते हुए सर्वोदय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जाहिंगरा, पीपरा में विभागीय निर्देशानुसार बालिका स्वच्छता सप्ताह का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को माहवारी स्वच्छता, पोषण और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनाना था, ताकि वे स्वस्थ जीवनशैली अपनाकर आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ सकें। कार्यक्रम के दौरान नोडल शिक्षिकाएं नेहा कुमारी, नीतू कुमारी एवं रेणु कुमारी ने छात्राओं को माहवारी एवं व्यक्तिगत स्वच्छता से जुड़ी वैज्ञानिक और सामाजिक जानकारियां दीं। उन्होंने बताया कि प्रत्येक माह स्वच्छता का ध्यान रखना स्वास्थ्य के लिए अत्यंत आवश्यक है। साथ ही छात्राओं को संतुलित आहार अपनाने के लिए प्रेरित करते हुए चना, गुड़, फल और हरी सब्जियों के सेवन पर विशेष बल दिया गया। वहीं वरीय शिक्षिका शोभा कुमारी और मीरा कुमारी ने छात्राओं से खुलकर संवाद करते हुए कहा कि माहवारी से जुड़े विषयों पर झिझक या शर्म बीमारी और मानसिक परेशानी का कारण बन सकती है। उन्होंने छात्राओं को प्रोत्साहित किया कि वे अपनी समस्याएं अपनी नोडल शिक्षिकाओं, मां या बहनों के साथ साझा करें, ताकि समय पर उचित मार्गदर्शन और समाधान मिल सके। मौके पर विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक जितेंद्र कुमार गुप्ता ने इस पहल को बालिकाओं के लिए अत्यंत उपयोगी बताते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम केवल विद्यालय तक सीमित नहीं रहते, बल्कि समाज में भी जागरूकता का संदेश पहुंचाते हैं। उन्होंने कहा कि जागरूकता ही स्वास्थ्य सुरक्षा की पहली सीढ़ी है और इससे बालिकाओं को भविष्य में अनावश्यक कठिनाइयों का सामना नहीं करना पड़ेगा। कार्यक्रम का आकर्षण तब और बढ़ गया जब बालिका स्वच्छता सप्ताह की थीम पर नवम एवं दशम वर्ग की छात्राओं ने सुंदर पेंटिंग बनाकर अपनी जागरूक सोच और कलात्मक प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। रंगों और रचनात्मकता के माध्यम से छात्राओं ने स्वच्छता के संदेश को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। इस अवसर पर शकील अहमद अंसारी, चंदन चौधरी, राजकिशोर, कुंदन कुमार, हर्ष कुमार एवं तनुजा कुमारी सहित विद्यालय परिवार के अन्य सदस्य भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम ने छात्राओं के बीच स्वास्थ्य जागरूकता के साथ आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच का भी संदेश दिया।

बकरीद को लेकर हरैया थाना अलर्ट,शांति समिति की बैठक में सौहार्द बनाए रखने की अपील।

बीएनएम @ रक्सौल

रक्सौल। हरैया थाना परिसर में बकरीद पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में थाना क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता, बुद्धिजीवी एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे। बैठक के दौरान अधिकारियों ने लोगों से आपसी भाईचारा बनाए रखने, अफवाहों से दूर रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस प्रशासन को देने की अपील की। साथ ही पर्व के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए। अधिकारियों ने कहा कि बकरीद पर्व आपसी प्रेम, त्याग और सद्भाव का प्रतीक है, इसलिए सभी लोग मिलजुल कर पर्व मनाएं और प्रशासन का सहयोग करें। पर्व के दौरान संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस बल की तैनाती एवं गश्ती बढ़ाने की भी जानकारी दी गई।

अरेराज नगर पंचायत में पुरानी समिति का जलवा कायम, निर्विरोध चुने गए तीनों सदस्य

» सुरक्षा के बीच संपन्न हुआ सशक्त स्थायी समिति का चुनाव, विकास कार्यों को मिलेगी रफ्तार

बीएनएम @ अरेराज

अरेराज। अरेराज नगर पंचायत से एक बड़ी राजनीतिक खबर सामने आ रही है, जहां सशक्त स्थायी समिति के गठन की प्रक्रिया कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गई है। इस चुनाव में दिलचस्प बात यह रही कि समिति के पूर्व के तीनों सदस्यों ने एक बार फिर से अपनी मजबूत पकड़ साबित करते हुए निर्विरोध जीत हासिल की है। चुनाव को लेकर नगर पंचायत कार्यालय परिसर में सुबह से ही गहमा-गहमी का माहौल था और प्रशासन की ओर से सुरक्षा के चाक-चौबंद इंतजाम किए गए थे। सशक्त स्थायी समिति के निर्वाचन को लेकर बुलाई गई विशेष बैठक में कुल 14 वार्ड पार्षदों में से 11 पार्षद उपस्थित हुए। कोरम पूरा होने के बाद नामांकन की प्रक्रिया शुरू की गई, जिसमें पूर्व सशक्त स्थायी समिति सदस्य अंशु कुमारी, निकु पांडेय और मनिका देवी ने सदस्य पद के लिए अपनी दावेदारी पेश करते हुए नामांकन पत्र दाखिल किया। नाम वापसी और स्क्रूटनी की अवधि बीत जाने तक विपक्ष की ओर से किसी भी अन्य प्रत्याशी द्वारा पर्चा दाखिल नहीं किया गया। इसके परिणामस्वरूप मैदान में केवल तीन ही प्रत्याशी शेष रहे, जिन्हें सर्वसम्मति से निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिया गया। यह पूरी चुनावी प्रक्रिया सहायक निर्वाची पदाधिकारी सह प्रखंड विकास पदाधिकारी आदित्य नारायण दीक्षित की देखरेख में बेहद पारदर्शी, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न कराई गई। निर्वाचन की औपचारिक घोषणा होते ही समर्थकों ने नवनिर्वाचित सदस्यों का गर्मजोशी से स्वागत किया और जीत का जश्न मनाया। इस महत्वपूर्ण सफलता और समिति के निर्विरोध गठन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए अरेराज नगर पंचायत के मुख्य पार्षद रनटू पांडेय, उप मुख्य पार्षद अहमद आजाद अली और झुना पांडेय ने नवनिर्वाचित सदस्यों को उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकामनाएं दी हैं। इसके साथ ही उन्होंने चुनाव में सकारात्मक सहयोग देने और एकजुटता दिखाने के लिए सदन में मौजूद सभी वार्ड पार्षदों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उन्हें विशेष रूप से बधाई दी है। स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने उम्मीद जताई है कि इस समिति के गठन से नगर क्षेत्र के विकास कार्यों को और अधिक गति मिलेगी।

बीएनएम इम्पैक्ट: सेकहि टोला में पुल निर्माण डायवर्सन हुआ दुरुस्त

बीएनएम @ पताही

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...
bordernewsmirror.com
27 May 2026 - Page 4

पुल निर्माण के दौरान डायवर्सन में भारी अनियमितता, ग्रामीणों ने जताई हादसे की आशंका

पताही। पताही प्रखंड के जिहुली पंचायत अंतर्गत सेकहि टोला में पुल निर्माण कार्य के दौरान बनाए गए डायवर्सन को आखिरकार दुरुस्त कर दिया गया है। बीते कई दिनों से खराब डायवर्सन के कारण स्थानीय ग्रामीणों और राहगीरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। जानकारी के अनुसार पुल निर्माण कार्य करा रही रुद्रा कंस्ट्रक्शन द्वारा प्रारंभ में केवल मिट्टी डालकर डायवर्सन तैयार किया गया था। हल्की बारिश होते ही रास्ता पूरी तरह कीचड़ में तब्दील हो जाता था, जिससे लोगों का पैदल चलना तक मुश्किल हो गया था। स्कूल जाने वाले बच्चों, बाइक सवारों, किसानों और दैनिक कार्यों से आने-जाने वाले लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। कई बार वाहन फंसने की भी स्थिति उत्पन्न हो रही थी। स्थानीय लोगों का आरोप था कि समस्या गंभीर होने के बावजूद निर्माण एजेंसी की ओर से कोई ठोस पहल नहीं की जा रही थी। इस मुद्दे को बॉर्डर न्यूज मिरर ने प्रमुखता से प्रकाशित किया, जिसके बाद मामला तेजी से आगे बढ़ा और निर्माण एजेंसी हरकत में आई। खबर प्रकाशित होने के बाद डायवर्सन को पहले की तुलना में अधिक मजबूत और बेहतर तरीके से तैयार किया गया। रास्ते को समतल बनाकर उस पर मजबूती के लिए आवश्यक सामग्री डाली गई, जिससे अब आवागमन काफी सुगम हो गया है। स्थानीय ग्रामीणों ने मीडिया की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि जनहित के मुद्दों को प्रमुखता से उठाने का ही परिणाम है कि लोगों को राहत मिली है। ग्रामीणों ने कहा कि यदि समय रहते समस्या का समाधान नहीं किया जाता तो बारिश के दिनों में स्थिति और गंभीर हो सकती थी। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और निर्माण एजेंसी से पुल निर्माण कार्य में गुणवत्ता बनाए रखने तथा आम जनता की सुविधाओं को प्राथमिकता देने की मांग की है। लोगों ने उम्मीद जताई कि पुल निर्माण कार्य जल्द पूरा होने पर क्षेत्र में आवागमन और अधिक सुगम हो जाएगा।

विजय के उदय की पृष्ठभूमि

टीवीके के संस्थापक विजय ख़ुद को पेरियार की विरासत से जोड़ते हैं और भारतीय संविधान को अपनी आस्था का दस्तावेज मानते हैं। इस रूप कहा जा सकता है कि तमिलनाडु ने सिर्फ चेहरा बदला है, राजनीतिक विचारधारा नहीं। तमिलनाडु में 59 साल बाद ऐसा हुआ है, जब वहां द्रविड़ मुनेत्र कड़गम या अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम के अलावा कोई पार्टी कोई सत्ता की दावेदार बनी है। 1967 में पहली बार डीएमके सत्ता में आई। 1972 में एमजी रामचंद्रन ने इससे अलग होकर एडीएमके का गठन किया। 1967 से 2021 तक डीएमके ने सात बार और एडीएमके ने पांच बार सरकार बनाई। मगर 2026 में ये सिलसिला टूटने जा रहा है। चंद्रशेखर जोसेफ विजय पहले ही दांव में अपनी पार्टी टीवीके- तमिल वेट्री कड़गम (तमिल विजय संघ)- को सबसे बड़ा दल बनवाने में सफल रहे हैं। फिल्म अभिनेता के रूप में सफल करियर के बाद राजनीति में आए 51 वर्षीय विजय ने 2024 में टीवीके का गठन किया। वे खुद को ईवी रामास्वामी नायकर पेरियार की विरासत से जोड़ते हैं और भारतीय संविधान को अपनी आस्था का दस्तावेज मानते हैं। इस रूप कहा जा सकता है कि तमिलनाडु ने सिर्फ चेहरा बदला है, राजनीतिक विचारधारा नहीं। जयललिता की मृत्यु के बाद एडीएमके के पास वैसे भी कोई लोकलुभावन चेहरा नहीं बचा है। इसके बावजूद इस चुनाव में पार्टी ने बेहतर प्रदर्शन किया है, तो यह संभवतः राज्य में मौजूद एंटी इन्कबेंसी (डीएमके सरकार से असंतोष) का परिणाम है। लंबे समय से परिवारवाद और भ्रष्टाचार के आरोपों के दाग डीएमके की छवि पर रहे हैं। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने गुज़रे पांच साल में अपनी राजनीति को हिंदुत्व और हिंदी विरोध पर केंद्रित रखा। मगर जन आंकाक्षाओं के मोर्चे पर वे खरे नहीं उतरे। इससे विजय के उदय की पृष्ठभूमि बनी। बड़ी संख्या में मतदाताओं ने नए चेहरे पर दांव लगाने का मन बनाया। वैसे नीति या कार्यक्रम के मामले में विजय ने भी कुछ नया पेश नहीं किया है। उनका चुनाव घोषणापत्र भी प्रत्यक्ष नकदी हस्तांतरण, दुल्हनों को आठ ग्राम सोना जड़ित सिल्क साड़ी देने, 200 यूनिट फ्री बिजली, किसानों की पांच लाख रुपये तक की कर्ज माफी और तमिलनाडु को 2023 तक 1.5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने जैसे बड़बोले वादों से भरा-पड़ा है। यानी तमिलनाडु में नए चेहरे की सदारत में भी लोकलुभावन- यानी वोट ख़रीदी- की पुरानी सियासत जारी रहेगी।

शातिर सत्ताधीशों की सियासत का शिकार गोवंश

निर्मल रानी

भाजपा शासित राजस्थान में जैसलमेर में घटी एक अत्यंत संवेदनशील घटना ने देश के गौ भक्त समाज को झकझोर कर रख दिया। यहां के डंपिंग यार्ड में 500 से अधिक गायों के सड़े-गले शव और हड्डियां खुले में बिखरे हुए मिले पाये गये। इस जगह का दृश्य इतना भयावह व भीषण दुर्गंध पूर्ण था कि स्थानीय लोग और गौ-प्रेमी स्वभाविक रूप से इसे देखकर क्रोधित व विचलित हो गए। बताया जाता है कि इनमें से कई गायों की मौत ज़हरीला कचरा या पॉलीथिन खाने से हुई। जबकि इनमें बड़ी संख्या में ऐसी गायों के शव भी थे जिन्हें मृत पशुओं का निस्तारण करने वाले ठेकेदार ने इसी डंपिंग यार्ड में लाकर फेंक दिया था। भाजपा शासित राजस्थान में घटी इसदर्दनाक व शर्मनाक घटना नेसरकार व निजी गौ रक्ष संगठनों के गौ-रक्षा के दावों और प्रशासनिक व्यवस्थाओं दोनों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। क्योंकि यह केवल किसी की लापरवाही मात्र का नहीं बल्कि मानवता और हिन्दू आस्था दोनों के ही अपमान से जुड़ा मामला है।

ग़ौरतलब है कि पिछले एक दशक से देश में मुस्लिम समाज के सैकड़ों लोगों को गौरक्षा के नाम पर मारा जा चुका है। मुहम्मद अख़लाक़ और पहलू ख़ान जैसे अनेक लोगों की हत्या की ख़बरें देश विदेश के मीडिया में प्रसारित होकर देश की बदनामी का कारण भी बन चुकी है। जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2016-17 में इन्हीं कथित गौरक्षकों के संदर्भ में यह कह भी चुके हैं कि गोरक्षा के नाम पर गुंडागर्दी करने वाले 70-80 प्रतिशत लोग फ़र्ज़ी हैं, जो रात में ग़ैर-क़ानूनी काम करते हैं और दिन में गोरक्षक का चोला पहन लेते हैं। मोदी ने कहा था कि उन्हें उन लोगों पर बहुत ग़ुस्सा आता है जो गोरक्षा के नाम पर अपनी दुकानें खोलकर बैठ गए हैं। उन्होंने राज्य सरकारों से ऐसे लोगों की पृष्ठभूमि की जांच करने और उनका डोज़ियर तैयार करने को भी कहा था। उस समय मोदी ने गोरक्षा के नाम पर हो रही हत्याओं की कड़ी निंदा भी की थी। उन्होंने स्पष्ट कहा था कि गौ भक्ति के नाम पर लोगों की हत्या स्वीकार्य नहीं है।किसी को भी क़ानून अपने हाथ में लेने का हक़ नहीं है। उन्होंने असली गोरक्षकों को सलाह दी थी कि उन्हें गायों को प्लास्टिक खाने से बचाने के लिए काम करना चाहिए, क्योंकि कटने से ज़्यादा गायें प्लास्टिक और कचरा खाने से मरती हैं।

गाय को लेकर बने देश के इसी तनावपूर्ण वातावरण में देश के मुस्लिम समाज ने उच्च स्तर पर कहीं फ़तवों से तो कहीं दिशा निर्देश जारी कर भारत के मुसलमानों को यह हिदायत जारी की है कि वे गाय की हत्या व गोमांस भक्षण यदि कहीं किया जा रहा है तो उससे पूरी तरह

बाज़ आयें। यहाँ तक कि देश में गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग को लेकर अनेक प्रमुख मुस्लिम उलेमाओं और संगठनों ने गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की वकालत की है। इनके अनुसार ऐसा करने से देश में नफ़रत और मॉब लिंचिंग जैसी घटनाओं पर रोक लगेगी, और बहुसंख्यक समाज की आस्था का सम्मान होगा। कई इस्लामी विद्वानों और मौलानाओं का तो स्पष्ट मत है कि इस्लाम में गौ मांस खाने को सख़्ती से मना किया गया है। पैग़ंबर मोहम्मद साहब के कथनों का हवाला देते हुए मौलानाओं द्वारा यह बताया गया है कि गाय के मांस में बीमारी है और उसके दूध में शिफ़ा अर्थात राहत है। अनेक मुस्लिम संगठनों ने भी गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग उठाई है, ताकि गाय को लेकर होने वाली सांप्रदायिक राजनीति पर पूर्ण विराम लग सके। परन्तु हिंदूवादी संगठनों द्वारा गौ हत्या को लेकर केवल मुसलमानों पर निशाना साधने वालों को इसी सिक्के के दूसरे पहलू को समझना भी ज़रूरी है। इस सन्दर्भ में पिछले दिनों हुए असम चुनावों के दौरान राज्य के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा का वह बयान क़ाबिल -ए -ग़ौर है जिसमें उन्होंने कहा था कि उनकी सरकार लोगों के घर के अंदर गोमांस खाने अर्थात निजी खान-पान पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाती। उन्हें इसे खाने से कोई मनाही नहीं है, लेकिन इसे सार्वजनिक तौर पर खाने के बजाय अपने घरों के अंदर खाना चाहिए। लेकिन सार्वजनिक रूप से या धार्मिक स्थलों के आसपास इसका सेवन क़ानूनन और सामाजिक भावनाओं के ख़िलाफ़ है। सवाल यह है कि जब गोवध होगा तभी तो गोमांस घरों में भी खाया जा सकेगा ? दूसरे यह कि केवल मुसलमान ही नहीं बल्कि अन्य धर्मों व जातियों के लोगों द्वारा भी बड़ी संख्या में गौमांस भक्षण किया जाता है तभी वोट बैंक के मद्देनज़र यह बयान मुख्यमंत्री द्वारा दिया गया। इसी तरह अप्रैल 2017 में केरल के मल्लापुरम लोकसभा उपचुनाव के दौरान भाजपा उम्मीदवार एन. श्रीप्रकाश ने मतदाताओं से वादा किया था कि यदि वे चुनाव जीतते हैं तो क्षेत्र में अच्छी गुणवत्ता वाले बीफ़ की आपूर्ति सुनिश्चित करेंगे और साफ़-सुथरे बूचड़ख़ाने खुलवाएंगे। जबकि अभी पिछले दिनों बंगाल में सत्ता में आई भाजपा सरकार की मंत्री अग्निमित्रा पॉल ने कहा कि पश्चिम बंगाल में क़ानूनन केवल उसी गोवंश (गाय) का वध नहीं किया जा सकता जिसकी उम्र 14 वर्ष से कम हो। इस कुतर्क के अनुसार क्या 14 वर्ष से ऊपर की गाय गौ माता की श्रेणी से बाहर हो जाती है?

भारत सरकार में संसदीय कार्य व अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू का 2015 में दिया गया वह बयान पूरे देश को याद ही होगा जिसमें उन्होंने कहा था कि मैं अरुणाचल प्रदेश से हूँ और गोमांस खाता हूँ। क्या कोई मुझे ऐसा करने से रोक सकता है? उनका तर्क था कि भारत एक लोकतांत्रिक और धर्मनिरपेक्ष देश है। पूर्वोत्तर के राज्यों में बहुत से लोग बीफ़ खाते हैं और किसी के खान-पान की आदतों या जीवनशैली को उन पर थोपा नहीं जा सकता। साथ ही उसी समय उन्होंने यह भी स्पष्ट किया था कि भारत विविधताओं का देश है। जहां हिंदू बहुसंख्यक हैं, वहां उनकी आस्था और भावनाओं का सम्मान किया जाना चाहिए। गोरक्षा पर राजनीति करने वाली सरकार किरेन रिजिजू जैसे गौ मांस भक्षक को मंत्री बनाकर किस आधार पर गोरक्षा की बात कर सकती है ? उधर यही भारतीय जनता पार्टी इलेक्टोरल बांड के ज़रिए भारत की सबसे बड़ी बीफ़ निर्यातक कंपनियों से लगभग प्रत्येक चुनावों में करोड़ों का चंदा वसूलती है। इसी सत्ता संरक्षण की वजह से 2014 के बाद यानी भाजपा के शासनकाल में भारत का कुल बीफ़ निर्यात काफ़ी बढ़ चुका है। परन्तु स्वयंभू गोरक्षकों को गोहत्या को बढ़ावा देने व इसके पक्ष में तर्क देने वालों से कोई शिकायत नहीं है बल्कि आश्चर्य है कि इनकी सारी दुश्मनी व शिकायत केवल मुसलमानों से ही है ? समझा जा सकता है कि गोवंश की सुरक्षा किसी धर्म जाति से जुड़ा विषय नहीं बल्कि वास्तव में गोवंश शातिर सत्ताधीशों की सियासत का शिकार है।

मोदी मंत्रिमंडल का विस्तार और नितिन नवीन की कार्यकारणी इसी पखवाड़े में , सुनील बंसल होगें संगठन महा सचिव

अजय दीक्षित

लुटियंस पर पकड़ रखने वाले सूत्र ने बताया है कि मोदी मंत्रिमंडल का विस्तार इसी हफ्ते दस दिन में हो सकता है, सूत्रों की माने तो कम से कम आठ मंत्री हटाए जा सकते हैं जिसमें सबसे बड़े नाम शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, पेट्रोलियम मंत्री हरदेव पूरी शामिल है।जिन चेहरों को जगह मिल सकती है उनमें कर्नाटक से सूर्या, हिमाचल से अनुराग ठाकुर, पंजाब से राघव चड्ढा और क्रिकेट खिलाड़ी हरभजन सिंह शामिल हैं। यह विस्तार उत्तर प्रदेश, पंजाब, हिमाचल, कर्नाटक, गोवा, विधानसभा चुनाव को लेकर किया जाएगा। उत्तर प्रदेश से जगदंबिका पॉल, बिहार से वकील साहब रविशंकर प्रसाद और राजीव प्रताप रूडी, शामिल है। उत्तर प्रदेश से कानपुर के संसद रमेश अवस्थी , देवरिया से संसद प्रेम मणि त्रिपाठी को शामिल किया जा सकता है वही एल मुरुगन, भूपति राजू को मंत्रिमंडल से हटाकर संगठन में भेजा जा सकता है। नितिन नवीन की कार्यकारणी में 08 महासचिव,08 उपाध्यक्ष, एक एक राज्यों से होगें, सांसद, विधायक को संगठन के पद नहीं मिल सकेंगे। मोदी मंत्रिमंडल का 2024 के बाद पहला विस्तार है ।एनडीए के सहयोगियों को भी जगह मिल सकती है बिहार से संजय कुमार झा, मंत्री परिषद में आ सकते हैं। नितिन नवीन की कार्यकारणी भी इसी 10 में जाएगी क्योंकि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सर कार्यवाह यानी महासचिव दत्तात्रेय होसबोल जी से भी संगठन मंत्रियों को लेकर चर्चा हुई है। नितिन नवीन की कार्यकारणी में पचास वर्ष तक के लोगों को प्रतिनिधित्व मिलेगा क्योंकि राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन 46 वर्ष के है । समझा जाता है

कि राष्ट्रीय महासचिव संगठन बी एल संतोष अवकाश ग्रहण करेंगे उनके स्थान पर पश्चिमी बंगाल विधानसभा चुनाव में महती भूमिका निभा चुके महासचिव सुनील बंसल अब संगठन महा सचिव होंगे,क्षेत्रीय प्रचारक शिवप्रकाश,अजय जंबाल संघ में बापिस जायेंगे।

सबसे उलझा हुआ काम राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से आए वरिष्ठ प्रचारकों को समावेश करना है।यह कार्य दत्तात्रेय होसबोल को करना है।सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में प्रांत प्रचारक स्तर के और केंद्र शासित प्रदेशों में विभाग प्रचारक स्तर को संघ ने तय किया। केंद्रीय कार्यालय प्रमुख महासचिव अरुण सिंह के स्थान पर सौदान सिंह, और गणेश मिश्रा के किसी राज्य के संगठन महा मंत्री पद की आने की संभावना। गणेश मिश्रा अभी बंगाल में क्षेत्रीय प्रचारक हो कर मजदूर संघ के काम को देख रहे हैं। संघ की ओर से भारतीय जनता पार्टी या किसी अन्य संगठन में समन्वय का काम अखिल भारतीय स्तर पर सदस्य अरुण जैन, और सुरेश सोनी को तय करना है। केरल, कर्नाटक, तेलंगाना, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश में नए राज्य महासचिव संगठन तैनात किये जायेंगे जो इन्हीं राज्यों के होंगे। हिंदी भाषी राज्यों में नितिन नवीन संघ से क्षेत्रीय प्रचारक स्तर के लोग मांगे हैं। दत्तात्रेय होसबोल जी ने संघ प्रमुख मोहन भागवत जी से सैद्धांतिक सहमति ली है।मोदी मंत्रिमंडल में सभी राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों, जातियों, उपजातियों, अनुसूचित जाति, जनजाति, वर्गों, भाषाई आधार, समावेश किया जाएगा। लेकिन प्राथमिकता तोर पर युवाओं को मौका दिया जाने के संकेत है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री, पश्चिमी बंगाल के मुख्यमंत्री शिवेंदु अधिकारी, योगी आदित्यनाथ, हेमंत विश्व शर्मा, मोहन यादव, नायब सिंह सैनी,में से दो को भाजपा की सर्वोच्च संस्था केंद्रीय पार्लियामेंट बोर्ड में सदस्य बनाया जा सकता है।अभी ये लोग मुख्यमंत्री के नाते बोर्ड के सदस्य थे।कुछ मंत्रियों के विभाग भी बदले जा सकते हैं। जिनमें भूपेंद्र सिंह, इन्द्रजीत सिंह, शामिल हैं।

राष्ट्रपति श्री मति द्रोपदी मुर्मू के कार्यकाल समाप्ति के बाद नए चुनाव के उम्मीदवार भी दिल्ली के सत्ता गलियारों में घूमने लगा है। सूत्रों ने जिन नामों की चर्चा की है उनमें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का नाम भी है। भारतीय जनता पार्टी में निर्णय लेने की एक प्रक्रिया है। यह कार्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर संघ तक जाता है।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026: दुनिया को सचेत उपभोग की ओर प्रेरित करना

प्रताव राव जाधव

आज जब दुनिया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 मना रही है, मानवता एक निर्णायक सभ्यतागत मोड़ पर खड़ी है। वर्तमान में हम अभूतपूर्व तकनीकी और भौतिक प्रगति के युग में जी रहे हैं, फिर भी हम जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों, बढ़ते मानसिक तनाव, पर्यावरणीय क्षरण और जीवन जीने के अस्थिर तरीकों जैसी चुनौतियों का सामना भी कर रहे हैं। इनमें से कई संकटों के मूल में एक ही चुनौती नज़र आती है- वस्तुओं का अनियंत्रित और बिना सोचे-समझे किया जाने वाला उपभोग। प्राकृतिक संसाधनों के ज़रुरत से ज्यादा दोहन से लेकर डिजिटल उपयोगिता पर अत्यधिक निर्भरता और अस्थिर जीवनशैली तक, आज आधुनिक समाज संतुलन से लगातार दूर होता जा रहा है। और इसी संदर्भ में, योग न केवल एक प्राचीन स्वास्थ्य अभ्यास के रूप में, बल्कि एक ज़िम्मेदार जीवन जीने के लिए एक कालातीत रूपरेखा के रूप में उभर कर सामने आता है। योग मानवता को आत्म-नियमन, संयम और सचेत विकल्पों की ओर एक शक्तिशाली मार्ग प्रदान करता है। यह हमें सिखाता है कि हम अपने भीतर और अपने आस-पास की दुनिया के साथ सामंजस्य कैसे स्थापित करें।

सोच समझकर वस्तुओं का उपभोग करने का आह्वान- अत्यधिक उपभोग की वैश्विक चुनौती से निपटने के लिए, हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व ने 'मिशन लाइफ़स्टाइल फ़ॉर एनवायरनमेंट के ज़रिए एक सशक्त दिशा प्रदान की है। सीओपी26 में, प्रधानमंत्री ने एक ऐसे सिद्धांत को सामने रखा, जो योग के दर्शन से गहराई के साथ जुड़ा है: "आज ज़रूरत है सचेत और सोच-समझकर उपयोग करने की, न कि बिना सोचे-समझे और विनाशकारी तरीके से उपभोग करने की।""

हाल ही में, वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं और आपूर्ति-श्रृंखला में आई बाधाओं के बीच, प्रधानमंत्री ने इस अपील का विस्तार करते हुए इसे एक दैनिक नागरिक ज़िम्मेदारी का रूप दिया। उन्होंने नागरिकों को प्रोत्साहित किया कि वे जान-बूझकर ऐसे उपभोग को सीमित करें, जिनसे बचा जा सकता है, जैसे ईंधन बचाना, अनावश्यक ऊर्जा का उपयोग कम करना, और गैर-ज़रूरी खर्चों पर दोबारा विचार करना। यह अपील किसी चीज़ की कमी या अभाव पर आधारित नहीं है, बल्कि, यह सामूहिक सशक्तिकरण, निरंतरता और राष्ट्रीय ज़िम्मेदारी के लिए एक रणनीतिक और नैतिक आह्वान है। जैसा कि उन्होंने हमें याद दिलाया: "हर छोटा-बड़ा प्रयास मायने रखता है, ठीक वैसे ही जैसे हर एक बूंद से घड़ा भरता है।" ये विचार योग के बुनियादी सिद्धांतों से गहराई से जुड़े हुए हैं। योग दर्शन 'अपरिग्रह' - यानी अनावश्यक चीज़ों को जमा करने से बचना और 'संतोष' यानी अपनी असली ज़रूरतों से संतुष्ट रहना, की बात करता है। ये सिद्धांत मिलकर एक ऐसी सोच पैदा करते हैं, जो लोगों को अंधाधुंध उपभोग से दूर सचेत जीवन की ओर प्रेरित करती है। योग हमें निष्क्रिय उपभोक्ता से बदलकर इस धरती का ज़िम्मेदार रखवाला बनाता है।

पारिस्थितिक संतुलन के लिए एक साधन के रूप में योग: पृथ्वी पर इंसानी ज़रूरतों को पूरा करने के लिए तो काफ़ी संसाधन हैं, लेकिन इंसान की असीमित लालच को पूरा करने के लिए नहीं। योग प्रकृति के साथ हमारे आपसी जुड़ाव की भावना को गहरा करके इस जागरूकता को फिर से जगाने में मदद करता है। जिस हवा में हम सांस लेते हैं, जो भोजन हम करते हैं और जिस स्थिरता की हम तलाश करते हैं, ये सभी एक साझा पारिस्थितिक तंत्र का हिस्सा हैं। योग का अभ्यास धीरे-धीरे हमारे व्यवहार को भीतर से बदल देता है। यह मन की बेचैनी को शांत करता है, जल्दबाज़ी वाली आदतों को कम करता है और आत्म-अनुशासन को मज़बूत बनाता है। आज की दुनिया, जो पल भर के सुख और अत्यधिक उपभोगवाद से संचालित होती है, उसमें योग वह आंतरिक स्पष्टता पैदा करता है, जिसकी ज़रूरत हमें अपनी असली ज़रूरतों और कभी न खत्म होने वाली इच्छाओं के बीच फ़र्क समझने के लिए होती है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण तथा आयुष, दोनों मंत्रालयों से जुड़े मंत्री के तौर पर, मैं हर दिन यह देखता हूँ कि योग किस तरह गैर-संक्रामक रोगों (एनसीडी) के खिलाफ एक निवारक सार्वजनिक स्वास्थ्य साधन के रूप में काम करता है। शारीरिक गतिविधि, मानसिक संतुलन और अनुशासित जीवन शैली को बढ़ावा देकर, योग अस्वस्थ आदतों और अत्यधिक चिकित्सीय हस्तक्षेपों पर हमारी निर्भरता को कम करता है। एक योगिक जीवन शैली स्वाभाविक रूप से सादगी, संयम, संतुलित पोषण, कम बर्बादी और संसाधनों के सचेत उपयोग को बढ़ावा देती है, ठीक वही व्यवहारिक बदलाव, जो पर्यावरणीय स्थिरता के लिए ज़रुरी है। इस प्रकार, योग न केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य का एक मार्ग है, बल्कि यह व्यवस्था में जिम्मेदारीपूर्ण जीवन के लिए एक व्यावहारिक ढाँचा भी है।

भारत का वैश्विक योग नेतृत्व- आज, जब योग दुनिया के लिए भारत के सबसे प्रभावशाली योगदानों में से एक बन गया है। यह स्वास्थ्य, सद्भाव और सामूहिक कल्याण की एक शक्तिशाली अभिव्यक्ति भी बन चुका है। जो योग एक प्राचीन सभ्यतागत प्रथा के रूप में शुरू हुआ था, वह आज एक वैश्विक आंदोलन बन गया है, जो भूगोल, राजनीति, भाषा और संस्कृति की सीमाओं से परे है। हर साल, कई महाद्वीपों में लाखों लोग योग समारोहों में भाग लेते हैं। वे केवल आसन ही नहीं करते, बल्कि एक स्वस्थ, अधिक संतुलित और टिकाऊ जीवन की साझा आकांक्षा को भी अपनाते हैं। योग निवारक स्वास्थ्य सेवा, मानसिक कल्याण और सचेत जीवन शैली की एक सार्वभौमिक भाषा के रूप में उभरा है। योग के ज़रिए, भारत ने दुनिया को समग्र स्वास्थ्य के लिए एक ऐसा गैर-बाध्यकारी और समावेशी ढाँचा प्रदान किया है, जो आधुनिक चिंताओं का समाधान शाश्वत ज्ञान के साथ करता है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 का यही महत्व है। चूँकि योग दुनिया भर में लाखों लोगों के जीवन को छूता है, इसलिए यह बड़े पैमाने पर व्यवहारिक परिवर्तन को प्रेरित करने के लिए एक बेजोड़ मंच भी प्रदान करता है। योग की सामूहिक भावना के ज़रिए, स्थिरता, संयम और सचेत जीवन-शैली के संदेश अधिक दूर तक पहुँच सकते हैं और लोगों के मन में गहरी छाप छोड़ सकते हैं।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 के लिए एक सामूहिक संकल्प- सच्चा कल्याण अकेले अस्तित्व में नहीं हो सकता। मानव स्वास्थ्य, सामुदायिक कल्याण और संपूर्ण ग्रह का स्वास्थ्य आपस में गहराई से जुड़े हुए हैं। जलवायु परिवर्तन, जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों और पर्यावरण के क्षरण की चुनौतियों के लिए न केवल नीतिगत हस्तक्षेप, बल्कि व्यवहार में परिवर्तन भी ज़रुरी है। इस अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर, आइए हम अपनी प्रतिबद्धता को योग मैट से आगे बढ़ाएं। आइए हम योग को केवल दैनिक अभ्यास के रूप में ही नहीं, बल्कि जीवन शैली के रूप में अपनाएं। एक ऐसी जीवन शैली जो सचेत उपभोग, आंतरिक अनुशासन और पारिस्थितिक जिम्मेदारी को प्रोत्साहित करती है।

आज का राशिफल

मेष राशि : आज आपका दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज किसी दोस्त से बात-बात में ही आपको महत्वपूर्ण काम मिल सकता है जिससे आपकी आमदनी में बढ़ोतरी होगी। आपके व्यवहार से लोग प्रभावित हो सकते हैं। ऑफिस में आज कार्यभार अधिक हो सकता है। कामकाजी महिलाओं को अपने काम के लिये किसी संस्था से सहयोग मिलेगा। आज किसी अनुभवी व्यक्ति की मदद से आपकी कार्य योजनाएं सफल हो सकती हैं।

वृष राशि : आज के दिन आपके लिए इनोवटिव होने वाला है। आज आपकी कार्यप्रणाली में नवाचार देखने को मिलेगा। जो बच्चे घर से दूर रहकर किसी कॉम्पिटिशन की तैयारी कर रहे हैं, उनका दिन बेहतर गुजरेगा। आपको शिक्षकों का पूरा-पूरा सहयोग मिलेगा। सरकारी नौकरी कर रहे लोगों को किसी काम के लिये प्रोत्साहन मिल सकता है। आपको धन लाभ होगा। आपके ज्यादातर काम पूरे होंगे। अचानक आपको अच्छी खबर मिलेगी, जिससे मन प्रसन्न रहेगा।

मिथुन राशि: आज आपके जीवन में नयी-नयी खुशियां आयेंगी और आपका दिन शुभ कार्यों में बीतेगा। मित्रों के साथ रिश्ते पहले से बेहतर बनेंगे। धार्मिक स्थानों पर आना जाना लगा रहेगा साथ ही धार्मिक अनुष्ठान करवाने का विचार करेंगे। संतान को करियर में बड़ी सफलता मिल सकती है। आपको किसी काम से अच्छा लाभ मिलेगा। अगर आप नई नौकरी की तलाश में हैं, तो बड़े भाई-बहनों की मदद से आपको नौकरी मिल सकती है।

कर्क राशि: आज का दिन आपके लिए काफी व्यस्तता वाला रहेगा। आज आपको अपने पेरेंट्स का सही मूड समझकर उनसे अपनी जरूरी बातें अवश्य शेयर करें। सही समय पर किया कार्य आपको सफलता दिला सकता है। परिवार में स्थिति ठीक बनी रहेगी। बच्चों की किसी जरूरत को पूरा करने के लिये आपको अधिक पैसे खर्च करने पड़ सकते हैं।

सिंह राशि: आज का दिन आपके लिए मिला-जुला अनुभव लेकर आएगा। आपको अपने हर काम को तय समय में बांटकर करने की जरूरत है। अन्यथा आपके बहुत से काम अधूरे रह सकते हैं। समय सीमा को ध्यान में रखकर काम करने से चीजें अच्छे से पूरी होगी और आप खुद पर भी ध्यान दे पायेंगे। घर का माहौल ठीक बना रहेगा। घर में किसी रिश्तेदार के आने की संभावना है।

कन्या राशि: आज आपका दिन बहुत ही उत्तम रहेगा। आज आपकी विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं। आपको किसी बड़ी कंपनी से जॉब के लिए बुलावा आ सकता है। आप सबको अपनी बातों से इम्प्रेस करने में सफल रहेंगे। जो लोग राजनीति से जुड़े हैं, आज उन्हें किसी बड़े राजनेता का सानिध्य मिलेगा साथ ही आपको खूब मान-सम्मान भी मिलेगा।

तुला राशि: आज आपका दिन पहले से बेहतर रहेगा। कार्यक्षेत्र में नई संभावनाओं को तलाश करने की कोशिश करेंगे। किसी काम के लिये काफी दिनों से की जा रही मेहनत का फल आपको मिल सकता है। आपको अपने बच्चों से काम में सपोर्ट मिलेगा। संगीत से जुड़े लोगों को किसी अच्छे प्लेटफॉर्म पर जाने का अवसर मिल सकता है। बदलते मौसम में आपको अपने ऊपर थोड़ा ध्यान देने की जरूरत है।

वृश्चिक राशि: आज का आपके लिए सामान्य रहेगा। जीवनसाथी के सहयोग से आपको जीवन में आगे बढ़ने का नया रास्ता मिल सकता है। आप खुद को तरोताजा महसूस करेंगे। किसी काम की नए सिरे से शुरुआत कर सकते हैं। आपके मन में नये-नये विचार आयेंगे। ऑफिस में सहयोगियों के साथ आपके रिश्ते मजबूत होंगे। बॉस आपके कार्यों की प्रशंसा करेंगे।जो लोग स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े हैं, उन्हें कार्यक्षेत्र में अवॉर्ड मिल सकता है।

धनु राशि: आज आपका दिन शानदार रहेगा। पुरानी बिजनेस डील आपको अचानक लाभ दिलवा सकती है। आपका मन काफी प्रसन्न रहेगा। आपको समाज के कुछ अच्छे लोगों से जुड़ने का मौका मिलेगा। आप किसी सरकारी संस्था के काम में अपना सहयोग दे सकते हैं।

मकर राशि: आज आपका दिन आपके लिए भाग्यशाली साबित होगा। यदि आज आप बड़ी बिजनेस डील करने जा रहे हैं, तो आपको बहुत ही सोच-समझकर फैसले करने की जरुरत है। आपको किसी अनुभवी व्यक्ति की मदद जरूर लेनी चाहिए। काफी दिनों से पेंडिंग महत्वपूर्ण सरकारी काम आज किसी राजनीतिक हस्ती के सहयोग पूरा हो जाएगा।

कुंभ राशि: आज आपका दिन बहुत अच्छा रहने वाला है। आज के दिन आप जो भी काम शुरु करेंगे, उसमें सफल जरूर रहेंगे। दोस्तों के साथ आज कहीं घूमने जाने का अवसर आपको मिलेगा। किस बड़ी विदेशी कंपनी से नौकरी के लिये आपको अच्छा ऑफर मिल सकता है। साइंस स्ट्रीम के छात्रों को बड़ा अवसर मिल सकता है। आपको परीक्षा में बेहतर परिणाम मिलेंगे।

मीन राशि : आज आपको जीवन में कुछ खास मौके मिल सकते हैं। आपको किसी ऐसे व्यक्ति से मिलने का मौका मिल सकता है, जो आपके काम की नई शुरुआत में आपकी मदद कर सकता है। आर्थिक स्तर पर आप मजबूत बने रहेंगे। आपकी व्यवसायिक परियोजना पूरी हो सकती है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसार:-9931408109 ईमेल:-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइट:-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

आईपीएल के पहले क्वालिफायर में शुभमन ने हार के लिए खराब फील्डिंग को जिम्मेदार बताया

एजेंसी, धर्मशाला

गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल आईपीएल 2026 के पहले क्वालिफायर में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ मिली हार से निराश नजर आये। शुभमन ने इस बार के लिए खराब फील्डिंग को जिम्मेदार बताया। साथ कहा कि उनकी टीम दबाव का सामना ठीक से नहीं कर पायी। इस मैच में गुजरात टाइटंस की टीम बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए ढ़ह गयी और उसे 92 रनों से करारी हार का सामना करना पड़ा। मैच में आरसीबी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पांच विकेट पर 254 रन बनाये थे। जिसके बाद गुजरात केवल 162 रन ही बना पायी।

शुभमन ने टीम की बार के कारणों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनकी टीम मैच में बनी हुई थी पर कई अवसरों पर हुई गलतियों ने मुकाबला उनके हाथ से फिसल

गया। साथ ही कहा कि 12वें-13वें ओवर तक उनकी टीम मुकाबले में थी पर जिस प्रकार से कैच गिरे उससे विरोधी टीम हावी हो गयी। शुभमन ने कहा, मुझे लगता है कि हम 12वें-13वें ओवर तक मैच में अच्छी स्थिति में थे। हमारी फील्डिंग बिल्कुल स्तर के अनुसार नहीं थी हालांकि हम ये मैच भूलकर अब दूसरे क्वालीफायर में जीतने का प्रयास करेंगे।

उन्होंने साथ हीकहा, दबाव वाले मौकों पर हम अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सके। हमार शुरुआत ही अच्छी नहीं रही। आउटफील्ड तेज थी, लेकिन जिस तरह पिच खेल रही थी, उस हिसाब से लक्ष्य हासिल किया जा सकता था। टीम के लक्ष्य तक नहीं पहुंचने का एक कारण बल्लेबाज साई सुदर्शन का बदकिस्मती से हिट-विकेट आउट होना भी रहा। जिस गेंद पर उन्होंने चौका लगाया, उसी गेंद पर उनका बल्ला विकेट से टकरा गया। इस पर गिल ने कहा, ऐसे विकेट बहुत कम देखने को मिलते हैं। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण था।

टीम की खराब फील्डिंग हार का सबसे बड़ा कारण रही। टीम ने एक ही ओवर में आरसीबी की ओर से सबसे अधिक रन बनाने वाले रजत पाटीदार के दो कैच गिरा दिए। पाटीदार ने इन मौकों का पूरा फायदा उठाया और आक्रामक बल्लेबाजी कर केवल 33 गेंदों में नाबाद 93 रन बना दिये जिससे मैच पलट गया। दिए। उनकी पारी में चौकों और छक्कों की बरसात देखने को मिली। वहीं लक्ष्य का पीछा करते हुए उनकी टीम दबाव में आ गयी और कोई भी बल्लेबाज विकेट पर टिक नहीं पाया।

रैना ने शुभमन और सुदर्शन की जोड़ी को आईपीएल की सबसे अच्छी जोड़ी बताया

एजेंसी, नई दिल्ली

पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना ने गुजरात टाइटंस टीम के कप्तान शुभमन गिल और सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि इनकी जोड़ी आईपीएल इतिहास की सबसे अच्छी सलामी जोड़ी है। रैना ने कहा कि शुभमन और सुदर्शन ने जिस तेजी और निरंतरता के साथ रन बनाए हैं। ऐसा करने में कोई भी दूसरी जोड़ी सफल नहीं रही है। इन दोनों ने साथ मिलकर केवल 46 पारियों में ही तेजी से खेलते हुए 21 बार 50 या उससे अधिक रनों की साझेदारी की है। इससे उनकी आपसी समझ और मैदान पर एक दूसरे के

साथ अच्छे तालमेल का पता चलता है। रैना ने कहा कि इस जोड़ी ने विराट कोहली और क्रिस बेल के अलावा एबी डिविलियर्स और-विराट की जोड़ी को भी पीदे छोड़ दिया है। रैना ने कहा, जहां गेल और कोहली को 21 बार 50 से अधिक रनों की साझेदारी तक पहुंचने में 59 पारियां लगी थीं, वहीं डिविलियर्स और कोहली ने यह उपलब्धि 76 पारियों में हासिल की थी जबकि शुभमन और सुदर्शन ने यह आंकड़ा केलव 46 पारियों में ही हासिल कर लिया। इन जोड़ी ने आईपीएल के अलावा टी20 क्रिकेट में भी कई बड़े रिकॉर्ड बनाये हैं। इस जोड़ी ने अब तक 10 शतकीय साझेदारियाँ बनायी हैं, और यह उपलब्धि हासिल करने वाली वह सबसे तेज जोड़ी है। इस जोड़ी ने आईपीएल में बिना कोई विकेट खोये 200 रन के लक्ष्य को भी आसानी से हासिल किया है। इन दोनो ने ही पारी शुरु करते हुए आईपीएल में 2000 से अधिक रन बनाये हैं, और उनकी साझेदारी का औसत 67 से अधिक का है, जो उनकी निरंतरता और एक-दूसरे के प्रति समझ को स्पष्ट रूप से दिखाता है। यह औसत उनकी बल्लेबाजी की गहराई और हर हाल में प्रदर्शन करने की क्षमता भी दिखाता है।

यूनिटी कप फुटबॉल में 27 मई को भारत का मुकाबला जमैका से होगा

एजेंसी, लंदन

भारतीय सीनियर पुरुष राष्ट्रीय फुटबॉल टीम आजकल यूनिटी कप 2026 में भाग लेने इंग्लैंड गयी हुई है। भारतीय टीम यहां अपना पहला मुकाबला भारतीय समयानुसार 27 मई की रात को दूसरे सेमीफाइनल में जमैका से खेलेगी। ये 24 साल बाद पहला अवसर है जब भारतीय टीम इंग्लैंड की धरती पर कोई अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेलेगी। इससे पहले आखिरी बार भारतीय फुटबॉल टीम ने साल 2002 में इंग्लैंड में मैच खेला था। ऐसे में इस मैच को लेकर खिलाड़ियों में जबरदस्त उत्साह

है। फीफा रैंकिंग में अभी भारतीय टीम 136वें स्थान पर है, जबकि जमैका 71वें स्थान पर है। वहीं, पहले सेमीफाइनल में नाइजीरिया और जिम्बाब्वे की टीमें टकरायेंगी। नाइजीरिया की टीम फीफा रैंकिंग में 26वें स्थान पर एक मजबूत दावेदार है, जबकि जिम्बाब्वे 130वें नंबर पर मौजूद है। इस टूर्नामेंट का प्रारूप ऐसा है कि सेमीफाइनल में हारने वाली दोनों टीमें तीसरे स्थान के लिए भी प्ले-ऑफ मैच खेलेंगी, जिससे सभी टीमों को कम से कम दो अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने का मौका मिलेगा। सभी मुकाबले लंदन के द वैली स्टेडियम में खेले जाएंगे। ऐसे में भारतीय टीम के लिए यह इंग्लैंड में अपनी क्षमताओं को साबित करने और अंतरराष्ट्रीय अनुभव हासिल करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। मुख्य कोच खालिद जमील की ये पहली परीक्षा होगी। इस टूर्नामेंट से पहले भारती टीम ने राष्ट्रीय कैंप में भी अभ्यास किया था।

एशियन गेम्स और वर्ल्ड चैंपियनशिप पर हैं मनु की नजरें

एजेंसी, नई दिल्ली। ओलंपिक पदक विजेता महिला निशानेबाज मनु आजकल एशियन गेम्स और वर्ल्ड चैंपियनशिप की तैयारियों में लगी हैं। मनु का लक्ष्य इन टूर्नामेंटों में बेहतर प्रदर्शन कर पेरिस ओलंपिक क्वालिफिकेशन चक्र के लिए अपनी दावेदारी पक्की करना है। मनु का कहना है कि अभी उनका ध्यान अपना फॉर्म बनाये रखते हुए बेहतर प्रदर्शन करने पर है। मनु ने दृढ़ता से कहा, इस साल एशियन गेम्स और वर्ल्ड चैंपियनशिप जैसे महत्वपूर्ण टूर्नामेंट्स हमारे सामने हैं, और हम इन दोनों बड़ी प्रतियोगिताओं के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। उन्होंने बताया कि उन्होंने अपने कोच के साथ बैठकें की हैं और आगामी टूर्नामेंट्स तथा अपनी तैयारी की एक संपूर्ण और सुनियोजित रूपरेखा तैयार कर ली है। इससे ये साफ है कि उनकी रणनीति केवल तात्कालिक सफलता पर नहीं, बल्कि एक लंबी अवधि की योजना का हिस्सा है। उन्होंने पिछले साल 10 मीटर एयर पिस्टल में वर्ल्ड कप रजत पदक जीता और इस साल भी 25 मीटर पिस्टल में एशियन चैंपियनशिप में रजत हासिल किया। अब उनका लक्ष्य एक बार फिर अपनी पुरानी, शीर्ष स्तरीय लय हासिल करना है, जो उन्हें अंतरराष्ट्रीय मंच पर एक निर्विवाद मजबूत दावेदार बनाएगी।

टी20 में दोहरा शतक लगाना चाहते हैं वैभव सूर्यवंशी

एजेंसी, मुम्बई

डंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इस सत्र में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से कई नये रिकार्ड बनाने वाले राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी का लक्ष्य अब टी20 क्रिकेट में दोहरा शतक लगाना है। 15 साल की उम्र में ही इस सत्र में 500 से अधिक रन बनाकर ऑरेंज कैप के दावेदारों में शामिल वैभव का कहना है कि वह वेस्टइंडीज के पूर्व क्रिकेटर क्रिस गेल का 175 रनों का रिकॉर्ड भी तोड़ना चाहते हैं। वैभव ने इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन के एक शो

में ये बातें कहीं। जब पीटरसन ने उनसे पूछा कि क्या उन्हें अर्धशतक का जश्न मनाना अच्छा लगता है तो वैभव का जवाब था, मुझे 50 रन का जश्न मनाना ज्यादा पसंद नहीं है। मैं टी20 में 200 रन बनाना चाहता हूं। मैं गेल का रिकॉर्ड तोड़ना चाहता हूं। उनका ये बयान सोशल मीडिया में छा गया है। गौरतलब है कि गेल ने आईपीएी 2013 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए खेलते हुए पुणे वॉरियर्स इंडिया के खिलाफ मात्र 66 गेंदों में नाबाद 175 रन बनाए थे। इस पारी में गेल ने 13 चौके और 17 छक्के लगाये थे, और इसी मैच में उन्होंने 30 गेंदों में लीग का सबसे तेज शतक भी जड़ा था। ये रिकार्ड आज भी बरकरार है।

वहीं वैभव इस सत्र के सबसे बड़े युवा सितारे बनकर उभरे हैं। उन्होंने 14 मैचों में 41.64 की शानदार औसत और 232.27 की विस्फोटक स्ट्राइक रेट से कुल 583 रन बनाए हैं।

बिजनेस

केंद्रीय कोयला एवं खान राज्य मंत्री ने एसईसीएल के कार्य संचालन की समीक्षा की

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय कोयला और खान राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे ने दक्षिण पूर्वी कोयला क्षेत्र लिमिटेड (एसईसीएल) का एक दिवसीय दौरा किया। इस दौरान उन्होंने कंपनी के परिचालन प्रदर्शन, अवसंरचना संबंधी पहलों और भविष्य की विकास योजनाओं की समीक्षा की। कोयला मंत्रालय ने बुधवार को जारी बयान में कहा कि इस दौरे के दौरान कोयला और खान राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे ने रायपुर में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से भी मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान दोनों के बीच राज्य में कोयला उत्पादन, अवसंरचना विकास, रसद संपर्क, ऊर्जा सुरक्षा और औद्योगिक विकास से संबंधित मुद्दों पर चर्चा हुई। मंत्रालय के मुताबिक इन चर्चाओं का मुख्य लक्ष्य प्रमुख विकास परियोजनाओं में तेजी लाना, परिचालन सुगम बनाना और कोयला उत्पादक क्षेत्रों में आर्थिक विकास एवं रोजगार के नए अवसर सृजित करने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों के बीच में समन्वय को मजबूती देना था।

इस मौके पर उन्होंने कोयला क्षेत्र के विकास के लिए छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा दिए जा रहे निरंतर समर्थन की सराहना की और विश्वास व्यक्त किया कि सहयोगात्मक दृष्टिकोण से राष्ट्र की ऊर्जा सुरक्षा में राज्य का योगदान और अधिक मजबूत होगा। कोयला मंत्रालय के मुताबिक एसईसीएल मुख्यालय के अपने दौरे के दौरान सतीश चंद्र दुबे ने व्यापक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में कोयला के उत्पादन, ढुलाई, गुणवत्ता प्रबंधन, सुरक्षा, डिजिटलीकरण पहल, पर्यावरण स्थिरता उपायों, कोयला गैसीकरण परियोजनाओं, खदान बंद करने की गतिविधियों, सीएसआर पहल और कंपनी की भविष्य की कार्य योजनाओं की समीक्षा की गई। मंत्रालय के मुताबिक इस अवसर पर एसईसीएल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी हरीश दुहान ने बताया कि चालू वित्त वर्ष 2026-27 के दौरान एसईसीएल ने कोल इंडिया के 100 मिलियन टन के संचयी उत्पादन लक्ष्य को प्राप्त करने में 26.86 मिलियन टन का सर्वोच्च योगदान दिया है। उन्होंने कोयला मंत्रालय के मार्गदर्शन में देश की बढ़ती ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एसईसीएल की प्रतिबद्धता को दोहराया। इस बैठक में एसईसीएल के सीएमडी हरीश दुहान, कार्यात्मक निदेशक, मुख्य सतर्कता अधिकारी, कोयला मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी और एसईसीएल के अधिकारी उपस्थित थे।

आयकर विभाग ने शुरू की 2026-27 के लिए आईटीआर-2 ऑनलाइन दाखिल करने की सुविधा

एजेंसी, नई दिल्ली । आयकर विभाग ने बुधवार को आकलन वर्ष 2026-27 के लिए आयकर रिटर्न-2 को ऑनलाइन दाखिल करने की सुविधा शुरू कर दी है। अब करदाता आयकर विभाग के ई-फाइलिंग पोर्टल पर जाकर अपना आईटीआर-2 को ऑनलाइन भर सकते हैं। आयकर विभाग के मुताबिक आईटीआर-2 उन व्यक्तिगत करदाता के लिए है, जिनकी इनकम व्यवसाय या पेशे से नहीं होती, लेकिन उन्हें पूंजीगत लाभ से प्राप्ति होती है। इससे पहले आयकर विभाग ने 15 मई को आईटीआर-1 और आईटीआर-4 को ऑनलाइन दाखिल करने की सुविधा शुरू की थी, जिनका इस्तेमाल छोटे और मझोले करदाता करते हैं। आयकर विभाग ने वित्त वर्ष 2025-26 की इनकम के लिए आयकर रिटर्न फॉर्म 30 मार्च को अधिसूचित किए गए अब आकलन वर्ष (ए.वाई.) 2026–27 के लिए आईटीआर-2 की ऑनलाइन फाइलिंग और एक्सेल यूटिलिटी अब ई-फाइलिंग पोर्टल पर उपलब्ध हैं। ऐसे में करदाता रिटर्न दाखिल करना शुरू कर सकते हैं। व्यक्तिगत करदाताओं के लिए आईटीआर-1 और आईटीआर-2 को दाखिल करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई तय की गई है।

गोयल ने कनाडा के निवेशकों को स्वच्छ ऊर्जा, एआई क्षेत्र में भागीदारी के लिए किया आमंत्रित

एजेंसी, नई दिल्ली

तीन दिन के आधिकारिक दौरे पर कनाडा गए केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को वहां प्रमुख पेंशन कोष, सॉवरेन और संस्थागत निवेशकों के साथ बैठकें कीं। गोयल ने इन बैठकों में निवेशकों को भारत के साथ स्वच्छ ऊर्जा, प्रौद्योगिकी, कृत्रिम मेधा (एआई) डिजिटल ढांचे और विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में भागीदारी का न्योता दिया। बैठक में गोयल ने सतत विकास और साझा समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए वित्तीय बाजारों में सहयोग को और गहरा करने के अवसरों की तलाश करने का भी आह्वान किया। गोयल ने कहा कि विशेष रूप से सनलाइफ फाइनेंशियल के प्रमुख केविन स्ट्रेन के साथ हुई बैठक में बीमा, सेवानिवृत्ति समाधान, स्वास्थ्य वित्तपोषण और भारत के तेजी से बढ़ते वित्तीय सेवा क्षेत्र में दीर्घकालिक निवेश के अवसरों पर चर्चा हुई। कई प्रमुख कारोबारी दिग्गजों के साथ द्विपक्षीय बैठकों में फेयरफैक्स फाइनेंशियल होल्डिंगस के वी प्रेम वत्स, मनुलाइफ फाइनेंशियल कॉरपोरेशन के अध्यक्ष व मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) फिलिप विदरिंगटन, सनलाइफ कनाडा के अध्यक्ष और सीईओ केविन स्ट्रेन, टोरंटो डोमिनियन बैंक समूह के अध्यक्ष और सीईओ रेमंड चुन, नियो परफार्मेंस मैटिरियल्स के अध्यक्ष और सीईओ रहीम सुलेमान और मैक्केन फूड्स के अध्यक्ष और सीईओ मैक्स कोइयून शामिल रहे।

सर्राफा बाजार में सस्ता हुआ सोना, चांदी में बदलाव नहीं

एजेंसी, नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान सोने के भाव में कमजोरी का रुख नजर आ रहा है। हालांकि चांदी के भाव में आज लगातार दूसरे दिन कोई बदलाव नहीं हुआ है। सोने की कीमत में आई कमजोरी के कारण देश के ज्यादातर हिस्सों में ये चमकीली धातु आज 470 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 510 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ती हो गई है। भाव में आई गिरावट के कारण देश के सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,58,880 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,60,680 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना आज 1,45,640 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,47,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। दूसरी ओर, चांदी के भाव में कोई

बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज भी 2,84,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर ही बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,59,030 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,45,790 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,58,880 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,45,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,58,930 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,45,690 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,60,680 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,47,290 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है।

खतरनाक और विस्फोटक पदार्थों की ऑनलाइन बिक्री और सूचीकरण के खिलाफ कार्रवाई

एजेंसी, नई दिल्ली । केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने खतरनाक और विस्फोटक पदार्थों की ऑनलाइन बिक्री और सूचीकरण के खिलाफ कार्रवाई शुरू की। सीसीपीए ने कई ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के खिलाफ कार्रवाई शुरू की है, जिनमें इंडियामार्ट, जस्टडायल, सिग्मा-एल्ड्रिच इंडिया, डायल4ट्रेड और एक्सपोर्टर्स इंडिया शामिल हैं। उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने बुधवार को जारी एक बयान में बताया कि केंद्रीय सीसीपीए ने उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के प्रावधानों के तहत डिजिटल प्लेटफॉर्मों पर खतरनाक रसायनों, विस्फोटक पदार्थों और संबंधित अग्रदूतों की अनधिकृत ऑनलाइन बिक्री और विज्ञापन के खिलाफ नियामक कार्रवाई शुरू की है। सीसीपीए की इस कार्रवाई का उद्देश्य उपभोक्ता सुरक्षा, सार्वजनिक सुरक्षा और जिम्मेदार ई-कॉमर्स प्रथाओं को मजबूत करना है। मंत्रालय के मुताबिक सीसीपीए ने विभिन्न प्लेटफॉर्मों पर खतरनाक और विनियमित पदार्थों की ऑनलाइन लिस्टिंग और बिक्री के संबंध में मिली सूचनाओं के बाद यह कार्रवाई शुरू की है, जिसमें इंडियामार्ट, जस्टडायल, सिग्मा-एल्ड्रिच इंडिया, डायल4ट्रेड और एक्सपोर्टर्स इंडिया शामिल हैं। प्राधिकरण ने कहा कि अमोनियम नाइट्रेट, पीईटीएन, गन पाउडर और पिक्रिक एसिड सहित विनियमित पदार्थों की सूची और बिक्री के संबंध में प्रमुख ई-कॉमर्स प्लेटफार्मों को नोटिस जारी किए गए हैं।

कोल इंडिया में दो फीसदी हिस्सेदारी बेचेगी सरकार, बिक्री पेशकश खुली

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र की खनन कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) में अपनी दो फीसदी हिस्सेदारी ब्रिकी की प्रक्रिया की शुरुआत कर दी है। ये प्रक्रिया गैर-खुदरा निवेशकों के लिए बिक्री पेशकश (ओएफएस) बुधवार को खुल गई। इसके लिए न्यूनतम 412 रुपये प्रति शेयर का मूल्य तय किया गया है। सरकार को इस बिक्री से लगभग 5,000 करोड़ रुपये मिलने की उम्मीद है। सीआईएल में दो दिन चलने वाली बिक्री पेशकश के तहत सरकार लगभग 12.32 करोड़ शेयर बेच रही है। इसमें एक फीसदी के ग्रीनशू विकल्प को भी शामिल किया

है। खुदरा निवेशक इसमें निवेश करने के लिए अब 29 मई को शेयरों के बोली लगा सकेंगे, क्योंकि 28 मई को शेयर बाजार बंद रहेगा। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) के आंकड़ों के अनुसार शेयर बाजार खुलने के एक घंटे के भीतर ही गैर-खुदरा निवेशकों की ओर से लगभग 27.39 करोड़ शेयरों के लिए बोली लगाई गई। यह उनके लिए आरक्षित 5.54 करोड़ शेयरों की तुलना में कहीं अधिक है। सीआईएल के शेयरों के लिए 414.57 रुपये के संकेतात्मक मूल्य पर बोली लगाई गई। सरकार के द्वारा बिक्री पेशकश के लिए तय 412 रुपये का न्यूनतम मूल्य मंगलवार के बंद भाव 458.25 रुपये से लगभग 10 फीसदी कम है। वहीं, बुधवार को कंपनी का शेयर 2.30 फीसदी के नुकसान के साथ 447.70 रुपये पर कारोबार कर रहा था। उल्लेखनीय है कि चालू वित्त वर्ष 2026-27 में यह किसी सरकारी कंपनी के लिए लाया गया दूसरा ओएफएस है। इससे पहले सरकार ने सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में 8.08 फीसदी की हिस्सेदारी बेचकर 2,266 करोड़ रुपये जुटाए थे।

वेलकम 3 में भोजपुरी तड़का अक्षय कुमार और अक्षरा सिंह ने धमाकेदार गाने घिस घिस-घिस से उड़ाया गर्दा

वेलकम टू गद जंगल सिनेमाघरों में धमाल मचाने के लिए तैयार है. यह फिल्म अगले महीने रिलीज हो रही है. रिलीज से पहले यह अपने ट्रेलर और गाने को लेकर सुर्खियों में बना हुआ, जिसकी वजह से दर्शक फिल्म की रिलीज को लेकर काफी उत्साहित है. इसी वजह उत्साह को बरकरार रखने के लिए मेकर्स ने आज फिल्म का एक और नया गाना लॉन्च किया है, जिसका नाम घिस-घिस-घिस है. यह एक भोजपुरी गाना है. इस गाने की रिलीज होते ही लोगों को दीवाना कर दिया है. अक्षय कुमार ने अपने इंस्टाग्राम पर घिस-घिस-घिस प्रोमो अपलोड किया है और फैंस को बताया कि उनकी आगामी फिल्म वेलकम 3 का नया ट्रैक घिस-घिस-घिस रिलीज हो गया है.

इस क्लिप को साझा करते हुए खिलाड़ी कुमार ने कैप्शन में लिखा है, अगर आपकी जिंदगी थोड़ी ज्यादा ही घिस रही है तो घिस घिस घिस के साथ माहौल बदलने का समय आ गया है. गाना अब रिलीज हो गया है. वेलकम टू गद जंगल सिनेमाघरों में 26 जून 2026 से शुरू होगा हंगामा. घिस घिस घिस अब वेलकम टू द जंगल के साउंडट्रैक का हिस्सा है. यह एक भोजपुरी गाना है, जो आइटम गानों में से एक है. इसके बोल साबुन पर केंद्रित हैं. इस गाने में अक्षय के साथ अक्षरा सिंह भी हैं, जो खुद भी भोजपुरी कलाकार हैं. ऐसा लगता है कि फैंस इस गाने को लेकर थोड़े सरप्राइज जरूर हुए हैं. हालांकि, यह गाना उस बात को बहुत अच्छी तरह से पकड़ता है जिसकी वजह से भोजपुरी गाने वायरल होते हैं, चूंकि यह एक बॉलीवुड फिल्म का गाना है इसलिए यह हर तरह के दर्शकों तक पहुंचेगी. इस गाने को आवाजें विक्रम मॉन्ट्रोज और सुप्रिया पाठक ने दी हैं. जबकि सॉन्ग कंपोजर भी विक्रम मॉन्ट्रोज ही है. गीतकार अभिनव शेखर, हुक आइडिया—इश्तेयाक मुस्ताक और संगीत निर्माता आकाश यादव, विक्रम मॉन्ट्रोज हैं. ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श के अनुसार, वेलकम टू द जंगल का सबसे जबरदस्त गाना रिलीज हो गया है. वेलकम टू द जंगल के मेकर्स ने अपना नया गाना घिस घिस घिस रिलीज कर दिया है, जो बॉलीवुड और भोजपुरी का एक जबरदस्त डांस धमाका है. इस हाई-एनर्जी गाने में अक्षय कुमार और भोजपुरी सुपरस्टार अक्षरा सिंह एक ऐसे अंदाज में नजर आ रहे हैं, जैसा पहले कभी नहीं देखा गया. जंगली म्यूजिक द्वारा प्रस्तुत घिस घिस घिस अब सभी बड़े ऑडियो प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है. सुनील शेट्टी, दिशा पटानी, जैकलीन, अरशद वारसी, जैकी श्रॉफ, परेश रावल और राजपाल यादव के साथ-साथ कई और बड़े कलाकारों से सजी यह फ़िल्म 26 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है. अहमद खान की निर्देशित वेलकम 3 को ए.ए. नाडियाडवाला, केप ऑफ गुड फिल्म्स और स्टार स्टूडियो 18 ने सीता फिल्म्स और राकेश डांग के सहयोग से प्रस्तुत किया है. बेस इंडस्ट्रीज ग्रुप का प्रोडक्शन वेलकम 3 को फिरोज ए. नाडियाडवाला, राकेश डांग और वेदांत विकास बाली ने प्रोड्यूस किया है.

फिल्म कॉकटेल 2 से दूसरा गाना माशूका जारी

शाहिद कपूर-कृति सैनन की केमिस्ट्री जीत लेगी दिल

तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया (2024) के बाद, शाहिद कपूर और कृति सैनन की जोड़ी फिर लौट रही है। दोनों आगामी फिल्म कॉकटेल 2 में नजर आएंगे, जिसमें रश्मिका मंदाना भी मुख्य किरदार में हैं। मैडॉक फिल्म्स द्वारा निर्मित यह फिल्म 19 जून को सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है। पिछले महीने अरिजीत सिंह की आवाज में पहला गाना जब तलक जारी हुआ था, जिसे जनता का बेहद प्यार मिला। अब दूसरा गाना माशूका जारी किया गया है। गाने को महमूद, राघव चैतन्य और रुआ काय ने मिलकर आवाज दी है, जबकि अमिताभ भट्टाचार्या ने संगीत दिया है।संगीत का काम प्रीतम चक्रवर्ती ने संभाला है। गाने के दृश्य शाहिद और कृति के ऊपर फिल्माए गए हैं, और दोनों की रोमांटिक केमिस्ट्री देखने लायक है। जोशीले संगीत और फुल वाइब्स वाला यह गाना लोगों को बेहद पसंद आ रहा है। बता दें, फिल्म का निर्देशन होमी अदजानिया ने किया है। डिंपल कपाड़िया भी फिल्म में नजर आ सकती हैं। कॉकटेल 2 की कहानी पिछली फिल्म का विस्तार नहीं है, बल्कि यह नए किरदारों के साथ आधुनिक समय के रिश्तों, दोस्ती और भावनाओं के उतार-चढ़ाव को दिखाएगी। फिल्म एक रोमांचक रोड ट्रिप पर आधारित है, जिसकी शूटिंग इटली के सिसिली के अलावा दिल्ली और गुरुग्राम जैसे शहरों में की गई है। मडॉक फिल्म्स द्वारा निर्मित इस फिल्म को लव रंजन ने लिखा है और निर्देशन की कमान होमी अदजानिया ने संभाली है। कॉकटेल 2 सिनेमाघरों में 19 जून, 2026 को दस्तक देने वाली है। हालांकि, इसकी राह आसान नहीं होगी क्योंकि इसी दौरान कई बड़ी फिल्में रिलीज़ हो रही हैं। यह फिल्म यश की टॉक्सिक के 15 दिन बाद और दिलजीत दोसांझ की फिल्म के ठीक एक हफ्ते बाद आएगी। साथ ही, वरुण धवन की हाय जवानी तो इश्क होना है से भी इसका कड़ा मुकाबला होने की उम्मीद है। दिलचस्प बात यह भी है कि रश्मिका मंदाना के लिए यह विजय देवरकोंडा के साथ उनकी शादी के बाद का पहला बड़ा प्रोजेक्ट होगा। अब देखना यह है कि क्या यह नई कॉकटेल पुरानी फिल्म जैसा जादू दोबारा बिखेर पाती है या नहीं।

रीढ़ की हड्डी को लचीला और मन को शांत बनाता है मारीच्यासन

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में अक्सर लोग तनाव, कमर दर्द और पाचन संबंधी समस्याओं से परेशान हैं। ऐसे में योग एक आसान और कारगर तरीका है, जो शरीर को लचीला बनाता है और मन को शांत रखता है। इसी कड़ी में मारीच्यासन एक ऐसा योगाभ्यास है, जिसके नियमित अभ्यास से रीढ़ की हड्डी लचीली होने समेत कई तरह की शारीरिक समस्याओं से निजात मिलता है। मारीच्यासन को मारीचि ऋषि के नाम पर जाना जाता है। मारीच्यासन शब्द संस्कृत से बना है। इसमें मारीच का अर्थ प्रकाश की किरण (सूर्य या चंद्रमा की किरण) होता है और आसन का अर्थ बैठने की मुद्रा या फिर योग की स्थिति होती है। इस आसन के नियमित अभ्यास करने से यह आसन कंधों, कमर, गर्दन और पैरों की मांसपेशियों को स्ट्रेच करता है। साथ ही पाचन तंत्र पर भी सकारात्मक असर डालता है। आयुष मंत्रालय के अनुसार, मारीच्यासन मेरुदंड (रीढ़ की हड्डी) में लचीलापन बढ़ाने, पाचन क्रिया में सुधार करने और मधुमेह के प्रबंधन के लिए एक प्रभावी योगासन है। यह आसन शरीर में कार्य क्षमता को पुनर्जीवित करता है। इसके नियमित अभ्यास से रक्त संचार (ब्लड सर्कुलेशन) बेहतर होता है, तनाव कम होता है और पेट के कई अंग सक्रिय होते हैं, जैसे लिवर, किडनी, प्लीहा, पेट, अग्न्याशय, छोटी आंत, पित्ताशय और प्रजनन तंत्र। इसे करना बेहद आसान है। इसे करने के लिए सबसे पहले जमीन पर दंडासन की मुद्रा में बैठ जाएं। अब अपना दाहिना घुटना मोड़ें और बाएं हाथ को दाहिनी जांघ के बाहर रखें। सांस को छोड़ते हुए दाईं ओर मुड़ें और पीछे की तरफ देखें। संभव हो, तो हाथों को पीठ के पीछे पकड़ें। 5-10 गहरी सांसें लेकर दूसरी तरफ दोहराएं। शुरुआत में आसन को धीरे-धीरे और योग शिक्षक की देखरेख में करें। सांस पर पूरा ध्यान दें, जल्दबाजी न करें। नियमित योग से न सिर्फ शारीरिक स्वास्थ्य बेहतर होता है, बल्कि मानसिक शांति भी मिलती है। यह आसन शरीर को लचीला बनाता है और मन को शांत रखता है। वहीं, सही तरीके से सांस लेना और ध्यान केंद्रित करना इस आसन का सबसे बड़ा रहस्य है। हालांकि, यह आसन करने से शरीर को कई तरह के लाभ मिलते हैं, लेकिन गर्भवती महिलाएं, गंभीर कमर दर्द या हाल ही में सर्जरी हुई हो तो डॉक्टर से सलाह लें।

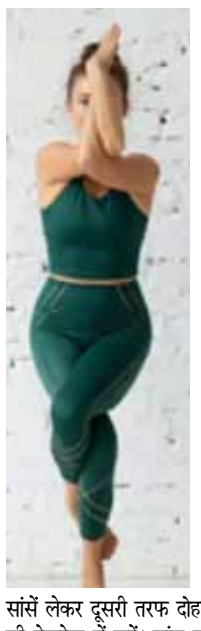

रणवीर सिंह के साथ काम करना चाहती हैं त्रिधा चौधरी, बोलीं- शिवा ट्रिलॉजी जैसी फिल्म का हिस्सा बनना मेरा सपना

फिल्म इंडस्ट्री में कई कलाकार अब सिर्फ ग्लैमरस किरदारों तक सीमित नहीं रहना चाहते, बल्कि ऐसे प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनना चाहते हैं, जिनमें अभिनय के साथ भावनात्मक और आध्यात्मिक जुड़ाव भी हो। इसी बीच अभिनेत्री त्रिधा चौधरी ने कहा कि वह भविष्य में अभिनेता रणवीर सिंह के साथ काम करना चाहती हैं। अगर उन्हें शिवा ट्रिलॉजी जैसी किसी पौराणिक फिल्म में काम करने का मौका मिले, तो वह उनके लिए किसी सपने के सच होने जैसा होगा। जब त्रिधा से पूछा कि अगर उन्हें भविष्य में किसी बड़े ऐतिहासिक या पौराणिक फिल्म में काम करने का मौका मिले, तो वह किस तरह का किरदार निभाना पसंद करेंगी। इस सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि वह लेखक अमिश त्रिपाठी की मशहूर किताब शिवा ट्रिलॉजी पर बनने वाली फिल्म का हिस्सा बनना चाहेंगी। त्रिधा ने कहा, मैंने हाल ही में सुना है कि रणवीर सिंह ने शिवा ट्रिलॉजी के फिल्मी राइट्स खरीद लिए हैं। यह खबर सुनकर मैं काफी उत्साहित हूं। मैं रणवीर सिंह की बहुत बड़ी फैन हूं और उन्हें अभिनेता के तौर पर बेहद पसंद करती हूं। रणवीर जिस तरह अपने हर किरदार में पूरी एनर्जी डालते हैं, वह मुझे बेहद प्रेरित करता है। उनके साथ काम करना मेरा सपना है। उन्होंने आगे कहा, भगवान शिव के प्रति मेरी गहरी आस्था है, और यही वजह है कि शिवा ट्रिलॉजी से मेरा भावनात्मक जुड़ाव भी है। मैंने इस किताब की पूरी सीरीज पढ़ी है और कहानी ने मुझे काफी प्रभावित किया। अगर मुझे किसी ऐसी पौराणिक फिल्म में अभिनय करने

का मौका मिलता है, तो वह मेरे करियर का सबसे खास अनुभव होगा। त्रिधा ने बातचीत के दौरान कहा, मेरे लिए सिर्फ खूबसूरत दिखना या ग्लैमरस किरदार निभाना ज्यादा मायने नहीं रखता। एक कलाकार की असली पहचान उसके अभिनय से होती है। अगर कोई कलाकार स्क्रीन पर सिर्फ अच्छा दिखे लेकिन अपने किरदार को सही तरीके से निभा न पाए, तो दर्शक उससे जुड़ नहीं पाते। अभिनेत्री ने कहा, मेरे लिए क्रिटिक्स की तारीफें ज्यादा महत्वपूर्ण होती हैं। अगर लोग मेरे अभिनय को पसंद करें और यह महसूस करें कि मैंने किरदार के साथ न्याय किया है, तो वही मेरे लिए सबसे बड़ी सफलता है। मैं हमेशा ऐसे रोल चुनना चाहती हूं जिनमें अभिनय करने का मौका मिले और दर्शकों तक कोई भावना पहुंचाई जा सके।

गर्मियों में पसीने की वजह से हो जाती है घमोरी? बचाव के लिए अपनाएं ये सुझाव

गर्मियों में सबसे ज्यादा परेशान करता है पसीना, जो उमस की वजह से बहुत बढ़ जाता है। ज्यादा पसीना निकलने के कारण त्वचा पर घमोरियां हो सकती हैं। इस समस्या की वजह से त्वचा पर लाल दाने, खुजली या जलन होती है। इसके उत्पन्न होने पर तो डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए। हालांकि, अगर आप घमोरियों से बचना चाहते हैं तो इन 5 टिप्स का पालन करें। इनके जरिए आपका स्वास्थ्य सही रहेगा और आपको ज्यादा पसीना भी नहीं आएगा। गर्मियों में ढीले-ढाले कपड़े पहनना सबसे अच्छा होता है। तंग कपड़े पहनने से पसीना निकलने की जगह नहीं मिलती, जिससे घमोरियां हो सकती हैं। सूती कपड़े इस मौसम में सबसे अच्छे होते हैं, क्योंकि ये त्वचा को हवा लगने देते हैं और पसीने को सोख लेते हैं। इसके अलावा ढीले कपड़े पहनने से त्वचा को आराम

मिलता है और गर्मी से होने वाली जलन से बचाव होता है। इसलिए, हमेशा सूती और ढीले कपड़े ही पहनें। रोजाना नहाना एक अच्छी आदत है, जो गर्मियों के दौरान खासतौर से जरूरी है। इससे न केवल शरीर की गंदगी दूर होती है, बल्कि पसीने के कारण होने वाली घमोरियों से भी छुटकारा मिलता है। नहाने के लिए हल्का गुनगुना पानी इस्तेमाल करें और साबुन की जगह हल्के जेल या फोम का उपयोग करें। इससे आपकी त्वचा साफ रहेगी और तरोताजा महसूस होगा। इसके अलावा नहाने के बाद त्वचा को अच्छी तरह से सुखाना न भूलें। नहाने के बाद त्वचा पर मॉइस्चराइजर लगाना जरूरी है। यह न केवल त्वचा को नमी देता है, बल्कि उसे मुलायम भी रखता है। इसके लिए हल्का और बिना खुशबू वाला मॉइस्चराइजर चुनें, जो आपकी त्वचा के प्रकार के अनुसार हो। इससे घमोरी होने की संभावना कम होती है और त्वचा पर ताजगी बनी रहती है। नियमित रूप से मॉइस्चराइजर लगाने से त्वचा की नमी बरकरार रहती है और वह स्वस्थ दिखती है। सूरज की हानिकारक किरणें भी घमोरी का कारण बन सकती हैं, इसलिए बाहर जाने से पहले अपनी त्वचा पर धूप से बचाव करने वाली क्रीम लगाएं। यह आपकी त्वचा को धूप से बचाती है और जलन होने से रोकती है। हर 2-3 घंटे बाद इसे दोबारा लगाना न भूलें, खासकर अगर आप लंबे समय तक बाहर रह रहे हैं। इसके अलावा सूरज की सीधी किरणों से बचने के लिए टोपी या छाते का इस्तेमाल करें। शरीर को हाइड्रेट

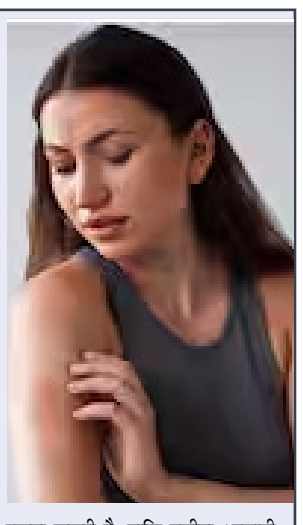

रखना जरूरी है, ताकि पसीना आसानी से निकल सके और शरीर ठंडा रहे। दिनभर में कम से कम 8-10 गिलास पानी पीएं और नारियल पानी, ताजे फलों का रस या इलेक्ट्रोलाइट पेय भी शामिल करें। इससे शरीर में पानी की कमी नहीं होगी और घमोरियां होने की संभावना कम होगी। इसके अलावा हाइड्रेट रहने से ऊर्जा बनी रहती है और थकान महसूस नहीं होती। अगर इन सबके बाद भी घमोरियां हो जाएं तो डॉक्टर से परामर्श करें।

दृश्यम 3 बॉक्स ऑफिसः संडे को छाई मोहनलाल की क्राइम थ्रिलर, पहले वीकेंड 150 करोड़ के करीब पहुंची कमाई

साउथ सुपरस्टार मोहनलाल और निर्देशक जीतू जोसेफ की मलयालम क्राइम थ्रिलर फिल्म दृश्यम 3 ने अपने पहले वीकेंड जबरदस्त कमाई की है. वहीं, फिल्म के पहले रविवार को इसके कलेक्शन में मामूली उछाल देखने को मिला. फिल्म ट्रेड वेबसाइट सैकनिल्क के अनुसार, फिल्म ने भारत में चौथे दिन शानदार कलेक्शन किया है. इसी के साथ मोहनलाल की फिल्म अपने पहले ही वीकेंड वर्ल्डवाइड 150 करोड़ रुपये के करीब पहुंच चुकी है. सैकनिल्क के अनुसार, मोहनलाल की क्राइम थ्रिलर ने अपने पहले संडे यानी चौथे दिन भारत में 13.95 करोड़ रुपये की कमाई की है. इससे फिल्म का घरेलू कलेक्शन 54.55 करोड़ रुपये का हो गया है. फिल्म के लिए केरल सबसे मजबूत बाजार बना रहा. अकेले केरल राज्य ने रविवार को 9.70 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया. शनिवार को फिल्म ने पूरे भारत में 13.70 करोड़ रुपये कमाए थे. मलयालम में कुल कमाई में अपना दबदबा कायम रखा और 3,186 शो से 69.35 प्रतिशत ऑक्यूपेंसी के साथ 11.75 करोड़ रुपये कमाए. तेलुगु संस्करण ने 1.20 करोड़ रुपये का योगदान दिया, जबकि तमिल और कन्नड़ संस्करणों ने क्रमशः 65 लाख रुपये और 35 लाख रुपये का योगदान दिया. रविवार को सभी भाषाओं में फिल्म के 5,270 शो प्रदर्शित किए गए. दृश्यम 3 ने पहले दिन 15.85 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया था और दूसरे दिन 11.05 करोड़ रुपये कमाए थे. रविवार को हुई इस बढ़ोतरी ने फिल्म को अपने पहले वीकेंड में भारतीय बॉक्स ऑफिस पर कमाई की लय बनाए रखने में मदद की है. अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी इस थ्रिलर फिल्म ने शानदार प्रदर्शन किया है. फिल्म की कुल वैश्विक कमाई 141.34 करोड़ रुपये है, जिसमें भारत से 63.34 करोड़ रुपये और विदेशों से 78 करोड़ रुपये शामिल हैं. खाड़ी देशों, उत्तरी अमेरिका और यूरोप के दर्शकों ने फिल्म की विदेशी कमाई में महत्वपूर्ण योगदान दिया है. जीतू जोसेफ द्वारा निर्देशित, दृश्यम 3 में मोहनलाल जॉर्जकुट्टी के रूप में अपनी भूमिका को दोहराते हैं,. फिल्म में सिद्दीकी, मुरली गोपी, बीजू मेनन और कलाभवन शाजॉन के साथ मीना, अंसिबा हसन और एस्तेर अनिल भी हैं.

Birgunj Public College : Certificate Dispute Sparks Debate

Sagar Suraj

- Deepak Bahadur Shakya underfire
- Questions Over Certificate Cast Shadow on Birgunj Public College and Madhesh University Connections

Motihari: The open border between India and Nepal has long symbolized friendship, trade, education, and cultural unity.

Thousands of students cross the border every year in search of better opportunities and academic recognition. But a recent controversy surrounding Nepal-based Birgunj Public College has sparked debate over trust, transparency, and the credibility of academic documents exchanged between institutions of the two neighboring nations.

The controversy emerged after 'Border News Mirror'-a bilingual news paper reportedly questioned the authenticity of an experience certificate allegedly issued by Birgunj Public College to a former teacher who later applied for a position in a reputed Indian university.

According to sources linked to the matter, the duration mentioned in the certificate allegedly overlapped with employment records from another institution, raising doubts during the recruitment verification process.

What further intensified suspicion, critics claim, was the alleged silence of the college administration. Sources stated that repeated emails seeking verification of the certificate reportedly received no formal response despite several reminders. The absence of clarification from the institution, observers argue, deepened uncertainty and left the college management facing uncomfortable questions.

The issue is now being viewed as more than a dispute over one certificate. Education experts say the matter reflects the growing challenge Indian institutions face while verifying foreign-issued academic and experience documents.

Though no court or government agency has officially declared the certificate fake, the allegations have triggered wider discussions about the need for stronger verification systems between India and Nepal.

The controversy has also brought renewed attention to Dr. Deepak Shakya, who is associated with the management of Birgunj Public College and currently serves as Vice Chancellor of Madhesh University.

In the past, critics in Nepal had questioned appointments of individuals linked to BPC within the university structure, alleging favoritism and institutional influence.

Supporters of the university, however, maintain that all appointments were made according to legal provisions.

While this correspondent attempted repeatedly to record the version of Dr. Shakya regarding the allegations, no response could be obtained till the filing of this report.

Despite the controversy, Birgunj Public College continues to function legally with affiliations from recognized Nepali universities and remains active in management education and academic activities. Yet voices in some circles have reportedly demanded a review of its affiliations by Nepal's University Grants Commission if transparency concerns remain unanswered.

Observers believe that unless such concerns are addressed openly, controversies of this nature could gradually strain academic trust between the two neighboring countries.

Gunman kills Gujarat woman working at store in US

NEW DELHI, Agency: A masked assailant entered a supermarket in the US state of Virginia and shot dead Meghna Patel, a 47-year-old from Gujarat employed at the store, during a suspected robbery attempt. Shot at close range, Meghna succumbed to injuries before help could arrive. A native of Jantral village in Mehsana district, she had been living in the US for 10 years with her husband Upendra Patel and two children.

The cold-blooded killing on May 23, caught on the store's surveillance cameras, has sent shockwaves in the Gujarati community in Virginia and in Meghna's native village.

Mental wellbeing must become as important as learning

NEW DELHI, Agency: Nandita Bhatla, country director India & vice president, WorldBeing, in an interview with Media's Manash Gohain, described education ministry's upcoming National School Mental Health Policy as a "historic" opportunity to redefine education by making student wellbeing as central as academic learning. She emphasised that the policy could transform schools into spaces where children feel heard, supported and emotionally resilient.

Education ministry will announce National School Mental Health Policy by June 1. What does a policy like this mean for 40 million students who have no access to any wellbeing programme?

This is a much awaited policy, and I must congratulate the ministry on this historic and bold step. This will re-define the experience of millions of students, where their mental wellbeing and inner resilience will be as important as learning. For 40 million students, our future generation, this means that their everyday school experience becomes one that enables them to thrive. Schools become an ecosystem where everything about them matters, their mindset, inner strengths, their connection to peers and teachers; where they learn and are heard; and where they don't just write exams, but can practice ways to overcome challenges and stressors, resolve conflicts and be mentally and emotionally ready.

By making wellbeing a guaranteed component of education, this policy will reset the very purpose of education - to create whole and happy individuals. For students - and the public at large, who have had concerns about the mental health of the youth and adolescents - this will be a promise of better things to come. At WorldBeing India, this is exactly what the InLight India initiative was built for. Over the past several years, we have been working in partnership with state govts to embed evidence-based wellbeing programming into education systems, not just as a project but as a permanent curriculum. This national announcement gives that work a powerful tailwind.

The policy lists teacher capacity building as a core pillar. How can training models be aligned with the national rollout?

Too often, attention is paid only to the content to be delivered to students, with the teacher being seen as only a means to do this. Yet we know that the only person who can create 'magic' in the classroom is a teacher. And, each of India's 10 million teachers can do that for every child in their classroom. In our experience of over a decade of working with teachers in state education systems, we have witnessed this 'magic' again and again. The personal experience of inner transformation and experiencing wellbeing themselves are the most effective ways to ensure teachers lead this national roll out. In the states we work in, teacher capacity building is built into the system; into institutions and calendars; and into accountability structures. It cannot be treated as an afterthought or an add-on.

State education departments, SCERT, DIETS, TTIs have built with us an operational blueprint of how annual training calendars of in-service training and CPD courses can incorporate such training.

Through Inlight, we are working across state govts to jointly design and roll out training that is practical, feasible, effective. Mandating dedicated time upfront and investing in deep and transformational foundational training build understanding and perspective that are to stay.

The in-service and CPD modules that RIEs offer are one of the most important strategies for the national roll out. Equally important is planning for sustainability - Bihar is the first state to create a module for pre-service course requirements. So every teacher who comes into the system will come with a perspective and understanding of how their classroom transactions can support wellbeing.

Uganda returnee isolated in Bengaluru amid Ebola alert; no case confirmed yet

NEW DELHI, Agency: A traveller with recent travel history from Uganda has been isolated at a government hospital in Bengaluru after reporting mild body ache, prompting heightened surveillance by the Centre amid ongoing Ebola outbreaks in parts of Africa.

The Union ministry of health and family welfare on Wednesday said the individual has been admitted to the State-run Epidemic Diseases Hospital in Bengaluru for observation and further evaluation. Officials said the person is otherwise healthy and stable apart from mild body ache.

A sample has been collected and sent to the National Institute of Virology for laboratory testing, with results still awaited.

The ministry stressed that no case of Ebola Virus Disease has been confirmed in India so far.

"The Government of India is closely monitoring the evolving Ebola Virus Disease situation in view of recent outbreaks reported in parts of Africa," the ministry said in a statement.

Health authorities said the Centre, in coordination with the Karnataka government and other concerned agencies, is maintaining close surveillance and all necessary public health protocols are being followed in line with World Health Organization guidelines.

The government said screening and surveillance measures are continuing at designated points of entry and across the public health system as part of preparedness efforts.

The ministry also urged citizens not to panic or spread misinformation and advised people to rely only on official sources for updates related to the Ebola situation.

India rejects references to J&K in China-Pak statement

NEW DELHI, Agency: India categorically rejected unwarranted references to the UT of Jammu & Kashmir in a joint statement between China and Pakistan that was issued after Pakistan PM Shehbaz Sharif's visit to China, saying the UTs of J&K and Ladakh will always remain integral parts of India. No other country has the locus standi to comment on the same," said MEA's Randhir Jaiswal. "As regards the so-called CPEC projects, some of which are in India's territory, we resolutely reject any moves by other countries to reinforce or legitimise Pakistan's illegal and forcible occupation of these territories, impinging on India's sovereignty and territorial integrity," he said.

On references to the so-called 'trans-boundary water resources cooperation' between China and Pakistan, the official said as the two countries, such a question does not arise.

Indian Navy foils possible piracy attack near merchant vessel in Western Indian Ocean

NEW DELHI, Agency: The Indian Navy warship INS Kolkata responded to inputs of suspected pirate activity near merchant vessel MV Mashallah 1 in the Western Indian Ocean, helping prevent a possible piracy attack, as news agency ANI reported on Wednesday.

The warship deployed near the Gulf of Aden, launched an immediate operation after receiving inputs about suspicious movements around the vessel. INS Kolkata used its onboard helicopter for aerial surveillance and also carried out boarding operations to investigate the threat. The Navy said the timely action ensured the safety of the merchant ship and its crew. The Navy has maintained continuous anti-piracy patrols in the Gulf of Aden since 2008 to protect commercial shipping routes in the region. Meanwhile, the Navy's prompt response to the suspected piracy threat came amid heightened tensions in the Middle East following the America-Iran war that began on February 28.

TMC crisis deepens: 6 MLAs and an MP turn up at Suvendu Adhikari's meet

KALYANI/KOLKATA, Agency: Six Trinamool Congress MLAs and four-time MP Kakoli Ghosh Dastidar attended Tuesday an administrative meeting of Bengal CM Suvendu Adhikari in an apparent act of defiance as the party's post-poll haemorrhage showed no signs of stopping. The development coincided with TMC Rajya Sabha MP Sukhendu Sekhar Roy striking a discordant note on the May 4 change of guard in the state when BJP swept to office: "Before the Ides of May, the people of West Bengal put an end to an unbearable, anarchical situation," Roy posted on X.

The turmoil continued later as two TMC MLAs - Ritabrata Banerjee and Sandipan Saha - held a closed-door "courtesy" meeting in the chamber of Rathindra Bose, the assembly Speaker from BJP. The open defiance and public criticism come in the wake of a series of resignations across Bengal - 127 TMC councillors from 11 civic bodies have quit so far and party boards in six municipalities dissolved.

MGCU Opens PG Admissions for 2026–27 Session

CUET-PG candidates can apply online through Samarth Portal till June 12

Sagar Suraj

MOTIHARI: Mahatma Gandhi Central University (MGCU) has started the admission process for its postgraduate programmes for the 2026–27 academic session, inviting applications from candidates who appeared in CUET-PG 2026 and opted for courses offered by the university.

According to an official notification issued by the university, the online registration process commenced on May 28 and will continue till June 12.

The university is offering admissions across a wide range of disciplines in Science, Social Sciences, Commerce, Management, Education and Indian Knowledge Systems.

The programmes include M.Sc. courses in Physics, Chemistry, Mathematics, Botany, Zoology and Biotechnology, along with M.Com., MBA, MBA in Food and Agribusiness, MA in Sanskrit, Gandhian and Peace Studies, Education, and a two-year Integrated Master of Library and Information Science programme.

University officials said candidates seeking admission must complete registration through the Samarth portal within the stipulated deadline.

The application fee has been fixed at Rs 500 for General, OBC and EWS category candidates, while SC, ST and PwD applicants will have to pay Rs 200 per programme.

The university further stated that admissions would be conducted

on the basis of merit derived from CUET-PG 2026 scores. Eligible candidates will later be invited for offline counselling at the departmental level. Applicants have been advised to regularly check the university website for counselling schedules, merit lists and other admission-related updates.

Prof. Shirish Mishra, Controller of Examinations, said the university had made efforts to keep the admission process "simple, transparent and student-friendly". He urged candidates to carefully read the admission notification before applying.

Meanwhile, Shephalika Mishra, Public Relations Officer of the university, said MGCU had emerged as a growing centre for higher education, research and innovation. She said the postgraduate programmes offered by the university provide students with opportunities for academic growth, research exposure and professional development.

Detailed eligibility criteria, programme-specific qualifications and fee structures have been made available in the official admission notification uploaded on the university website.